राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 लॉर्ड्स के म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग | सम्पादकीय | अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म! | टीसीएस शेयरधारकों को हर शेयर पर... 5

वर्ष 23 ● अंक 75 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसके शाश्वत होने में है, हमारे देश की यही पहचान : धनखड़

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में भारतीय ज्ञान प्रणाली(आईकेस) पर वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

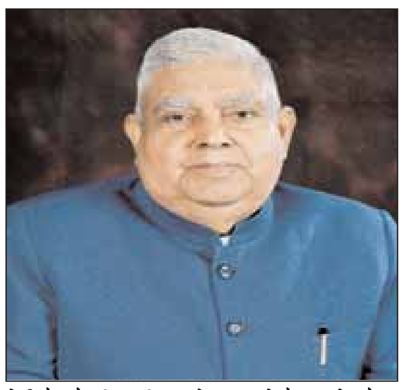

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज कहा, ÷एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उदय के साथ-साथ उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक गंभीरता का भी विकास होना आवश्यक है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना कोई भी उन्नति स्थायी नहीं है और इसके बिना हमारी परंपराओं के अनुरूप नहीं है। किसी राष्ट्र की शक्ति उसके विचारों की मौलिकता, उसके मूल्यों की शाश्वतता और उसकी बौद्धिक परंपराओं की दृढ़ता में निहित होती है। यही वह सौम्य शक्ति है जो स्थायी होती है और जिस विश्व में हम रहते हैं, उसमें सौम्य शक्ति अत्यंत प्रभावशाली है। उत्तर-औपनिवेशिक संरचनाओं की सीमाओं से परे भारत की पहचान की पुष्टि करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, ÷भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बनी एक राजनीतिक संरचना नहीं है। यह एक सभ्यतागत सातत्य है - चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की एक बहती धारा जो आज भी सतत है। स्वदेशी ज्ञान को ऐतिहासिक रूप से दरकिनार किए जाने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ÷यद्यपि स्वदेशी अंतर्दृष्टि को आदिम अतीत के अवशेष मानकर खारिज कर दिया गया, यह कोई व्याख्या की त्रुटि नहीं थी। यह विलोपन, विनाश की एक वास्तुकला थी। इससे भी अधिक दुखद बात यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी चुनिंदा स्मृतियाँ जारी रहीं। पश्चिमी सिद्धांतों को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रचारित किया गया। सीधे शब्दों में कहें तो, असत्य को सत्य का जामा पहनाया गया।

सुको के न्यायाधिपति श्री माहेश्वरी परमार्थ न्यास के सेवाभावी जन को सम्मानित करेंगे

- 15 वर्षों में 01 लाख 80 हजार मरीजों को मिला उपचार
-चित्रकूट में अभी तक 2000 मरीजों का उपचार

कामद गिरि चित्रकूट के पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामस्वरूपाचार्य जी, करह धाम के प्रमुख संत दीनबंधु जी महाराज, पूर्व आयुक्त चंबल संभाग श्रीमती रेणु तिवारी, पूर्व नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना अमृत मीणा का भी होगा सम्मान

स्व. मेजर श्री रामकुमार शर्मा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा स्मृति परमार्थ न्यास के सेवाभावी चिकित्सक व्दारा 15 वर्ष के दौरान लगभग 01 लाख 80 हजार से अधिक का परीक्षण कर उपचार की सलाह दी है। इन पीड़ित मरीजों को निःशुल्क दवा भी प्रदान की गई है। इसमें उपस्थित सेवाभावी जन व्दारा पेर्ण सहयोग किया गया। सेवा के इस सफर के सफल रूप से कार्यान्वित होने पर न्यास में तन, मन, धन से सेवा करने वाले सेवाभावी जन का सम्मान होने जा रहा है। यह आयोजन 12 जुलाई को रॉयल पैलेस एवं वेंकट, माधौपुरा की पुलिया पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधिपति श्री जितेंद्र कुमार माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में होगा। इसमें दिल्ली, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, चित्रकूट, सतना एवं ग्वालियर तथा मुरैना के सभी सेवाभावी जन पधार रहे हैं।

विगत 15 वर्षों से परमार्थ न्यास पर तन, मन, धन तथा 15 माह से चित्रकूट में अनेक मानस विभूतियां सेवा कार्य को कर पीड़ित मानव का कष्ट हरण करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। चित्रकूट में भी अभी तक 2 हजार से अधिक पीड़ित मरीज का परीक्षण पश्चात उपचार किया गया है। इन सभी सेवाभावी जन तथा सभी सेवा कर्मियों का सम्मान किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से कामद गिरि चित्रकूट के पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामस्वरूपाचार्य जी, करह धाम के प्रमुख संत दीनबंधु जी महाराज, पूर्व आयुक्त चंबल संभाग श्रीमती रेणु तिवारी, पूर्व नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना अमृत मीणा भी उन सेवा कर्मियों में सम्मिलित हैं। सभी अतिथि सम्मान के लिए अपने स्थान से 12 जुलाई को पधार रहे हैं। विदित हो कि प्रत्येक 5 वर्ष में परमार्थ न्यास की निष्काम रूप से दीन स्वरूप में भगवान श्री सीताराम जी के स्वरूप की सेवा में लगे हुए हैं। ऐसे सभी सेवाभावी जनों का सम्मान किया जाएगा। ज्ञात हो कि 2019 में उक्त कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन के प्रिन्सिपल सेक्रेटरी अजीत केसरी के मुख्यातिथ्य में हुआ था। यह कार्यक्रम अब 5 वर्षों के बाद हो रहा है। इसमें आए हुए अतिथियों और समानार्थ वे सभी सेवा भूषणों का परमार्थ न्यास स्वागत करेगा। आपके माध्यम से यह समाचार जन-जन तक पहुँचे कि पूर्ण पवित्र भाव से तन मन धन से परमार्थ न्यास इस सेवा के विस्तार में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। परमार्थ न्यास के प्रथम सेवक श्री हनुमान जी महाराज है और उन्हीं के नेतृत्व में समस्त सेवक मिलकर इस सेवा को कर रहे हैं। इस सेवा के प्रत्येक रविवार मुरैना में अनवरत रूप से 15 बर्षों से चालू है। प्रत्येक रविवार को लगभग 250 से अधिक पीड़ित मरीज का परीक्षण कर उपचार किया जाता है। हनुमान जी महाराज की कृपा से इस कभी भी कोई विघ्न नहीं आया है और इस सेवा से मुरैना ही नहीं अपितु देशभर के लोग जुड़े हुए है जो अपने अपने भाव के अनुसार सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मुरैना में यह सेवा सुबह 9 बजे से रविवार को प्रारंभ होकर रात के 7 बजे तक अनवरत रूप से चलती रहती है। यहां श्री सीताराम जी का राम धुन, पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, विनय पत्रिका का पाठ, आरती की जाती है। तत्पश्चात समस्त सेवक एवं जितने भी भगवान के रूप में मरीज आते हैं उन सभी की भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहती है। परमार्थ न्यास में **शेष पृष्ठ 2 पर...**

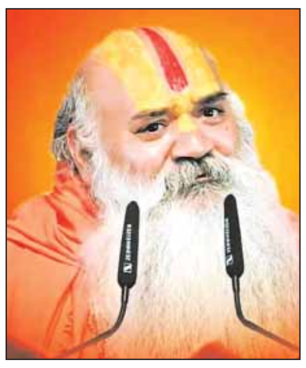

वरिष्ठ अधिकारी नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत् समीक्षा करें: मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी प्राप्त कर दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों को भरने का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए। रिक्त पदों पर सतत् रूप से नियुक्तियों का कार्य होने से विभागों के नियमित कार्यों में भी गति आ रही है। साथ ही वर्षों पश्चात पदोन्नतियों की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने से भी बड़ी संख्या में पदों पर नियुक्ति का कार्य आसान हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारी नवीन शासकीय भर्तियों के कार्य की सतत् समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में हुई एक बैठक में विभिन्न शासकीय विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विभागों में नियुक्तियों के कार्य की निरंतर समीक्षा भी की जाए। मुख्य सचिव स्तर और अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विभागों को समय सीमा में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इस क्रम में विभागों से पालन प्रतिवेदन प्राप्त किया जाए। इस कार्य को आवश्यक समन्वय और सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग श्री संजय कुमार शुक्ल ने लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल और अन्य स्तर से नवीन शासकीय भर्तियों की प्रगति से अवगत करवाया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का दिखा निराला अंदाज, बेंगलुरु के प्रसिद्ध रामेश्वर कैफे में लिया कॉफी का आनंद

आगंतुकों और छात्रों से की बातचीत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

बेंगलुरु। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बेंगलुरु दौरे में एक बार फिर अलग अंदाज देखने को मिला है। अपने बेंगलुरु प्रवास के दौरान सिंधिया ने प्रसिद्ध रामेश्वरम कैफे पहुंचकर चाय-कॉफी और नाश्ते का आनंद लिया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कैफे में पारंपरिक डोसा और फिल्टर कॉफी का आनंद लिया और आगंतुकों, कैफे स्टाफ व कॉलेज के छात्रों के एक समूह से बातचीत की। इस दौरान कैफे में एक अलग ही नजारा देखने को मिला जहां सिंधिया ने वहां पर बैठे लोगों से अनौपचारिक संवाद किया। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया के इस अप्रत्याशित दौरे ने कैफे में मौजूद लोगों और कर्मचारियों को खुश कर दिया। उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए अपने कुछ अनुभव भी साझा किए, जिससे माहौल आनंदमय और खुशनुमा बन गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथठेले वाले से खरीदे फल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार रात्रि तात्या टोपे नगर पहुंचकर फल के ठेले वाले से फल खरीदे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ई पेमेंट से भुगतान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ठेले वालों से उनके व्यवसाय के संबंध में भी बातचीत की तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य नागरिकों से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सादे ढंग से सिर्फ दो वाहनों में बाजार पहुंचे और 15 मिनट रुक कर फल खरीद कर अपने निवास लौट गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ट्रैफिक की रेड लाइट पर रखकर सामान्य नागरिकों की तरह वाहन चालक को निर्धारित समय रोककर फिर ग्रीन लाइट होने पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

दिल्ली - एनसीआर में भूकंप, 10 सेकेंड तक झटके महसूस हुए

नई दिल्ली। दिल्ली में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। इसकी वजह से दिल्ली और हृष्टक्रमें भूकंप के झटके महसूस किए गए। किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात

रायपुर। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा गत दिवस किरण देव सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भाजपा एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सौदान सिंह जी से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सौजन्य भेंट की गई। इस अवसर पर अनेक

सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केन्द्र बनकर उभरे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के स्कूलों को 5-5 लाख का पुरस्कार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण और रोजगार परक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। बेहतर शिक्षा के बूते ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुबंकम की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुभकामानाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के विद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन विकास के लिए 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु की संज्ञा दी गई है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

प्रतीक स्वरूप 50 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निऱ्शुल्क साइकिल वितरण के 2 दिवसीय अभियान का शुभारंभ करते हुए 50 विद्यार्थियों को निऱ्शुल्क साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने एक धुन में साइकिल की घंटी बजाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। अभियान के पहले दिन विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों को 4 लाख 30 हजार साइकिलें बांटी गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गुरुजनों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षक श्री मनोज सोहनी, श्री देवेंद्र बंसल, डॉ. एस.के. पाल, श्री मनोज कौशल, श्री सुरीत दास बनोथे, श्रीमती शुभांगी नामड़े, श्रीमती सारिका शर्मा, श्रीमती वंदना रामचंदानी, श्री योगेश विश्नोई और श्रीमती बख्तौर खान को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया।

प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च सम्मान मिलना देशवासियों को करता है गौरवान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री मोदी को नामीबिया, ब्राजील, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा घाना के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा अपने देश का प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान दिए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। भारत हर क्षेत्र में विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री को 27 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करता है।

झाबुआ और रतलाम सांदीपनि विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विरासत के साथ विकास की भावना से प्रदेश के सर्व सुविधायुक्त विद्यालय अब महर्षि सांदीपनि के नाम से पहचान बना रहे हैं। इन विद्यालयों में बच्चों के आवागमन के लिए शासकीय बस सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। दूसरी ओर, पात्र स्कूली बच्चों को विद्यालय आने-जाने के लिए राज्य सरकार साइकिलें बांट रही है। ये साइकिलें हमारी आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। इनसे हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। सरकार अगले सत्र में बच्चों को यूनिफॉर्म तैयार करवा कर बांटेगी। साथ ही अगले वर्ष 75 प्रतिशत तक अंक लाने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लगभग 1 लाख लैपटॉप बांटे जाएंगे। प्रदेश सरकार मेधावी विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी भी वितरित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष झाबुआ और रतलाम सांदीपनि विद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिला। दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया।

उज्जैन में प्रारंभ होगा आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूलों के उन्नयन के साथ प्रदेश के 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों में भी नई शिक्षा नीति लागू की गई है, जहां विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसी उद्देश्य से उज्जैन में आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग का विलय कर मेडिकल एजुकेशन एवं हेल्थ सेक्टर में नवाचार किया है। सरकार छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज खोलने पर जोर दे रही है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश में आगामी 2 वर्ष के अंदर एमबीबीएस की सीटें 10 हजार हो जाएंगी। मध्यप्रदेश इकलौता ऐसा राज्य है, जहां नीट पास करने के बाद सरकार मेडिकल एजुकेशन के लिए विद्यार्थियों को भरपूर सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी केवल नौकरी करने वाले नहीं, नौकरी देने वाले भी बनें। डॉक्टर बनकर छोटे शहरों में अस्पताल खोलें, राज्य सरकार इसके लिए भी 40 प्रतिशत अनुदान प्रदान कर रही है। सरकार युवाओं के स्वावलंबन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस | विविध समाचार | मुरैना, शुक्रवार 11 जुलाई 2025

‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत अंबेडकर पार्क में किया पौधारोपण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत मुरैना के जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू के निर्देशानुसार ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के अंतर्गत आज अंबेडकर पार्क मुरैना में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण के संरक्षण एवं माँ के सम्मान में सभी को अपने घर वाटिका में वृक्ष लगाना चाहिए। जिस तरह माँ का सम्मान किया जाता है उसी तरह धरती माता के सम्मान में वृक्ष लगाकर धरती माँ का श्रृंगार करें और सम्मान करें। वृक्ष अधिक लगेंगे, वर्षा भी अधिक होगी। पर्यावरण शुद्ध रहेगा, शुद्ध हवा मिलेगी और सभी स्वस्थ होंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम में हॉस्टल अधीक्षिका पुष्पा गोयल, शिक्षक रामअवतार शर्मा, मूंगाराम पाराशर, अधीक्षक शासकीय महाविद्यालय बाल छात्रावास मुरैना अन्य अतिथि उपस्थित रहे। युवा मंडल महिला मंडल के पदाधिकारी ने वृहद वृक्षारोपण किया और पौधों की देखभाल के लिए सभी ने शपथ ली कि हम पौधों की सुरक्षा करेंगे और पौधों का सम्मान करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन मेरा युवा भारत मुरैना के रामविलास शर्मा ने किया एवं आभार प्रदर्शन विकास पलिया ने किया। कार्यक्रम में योगेश शर्मा, नेमीचंद शर्मा, पूनम, भारती, रोशनी, सोनम, प्रेमा, काजल, मुस्कान, कौशल, प्रीती, स्वाती, रेनू, खुशबू आदि मौजूद थीं।

जौरा में पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। गुरुवार को इंद्रयोग में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। गुरु पूर्णिमा के चलते गुरुवार को सत्यनारायण कथा का विशेष महत्व गुरु पूर्णिमा पर अबकी बार अद्भुत सहयोग के साथ बना रहा। 10 जुलाई को गुरुवार का दिन था। गुरु पूर्णिमा थी। पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और उनके विभिन्न स्वरूपों की पूजा का सबसे अधिक महत्व शास्त्रों में बताया गया है। गुरुवार होने से इसका महत्व और भी बढ़ गया। इस अवसर पर जहां सैकड़ों शिष्यों ने गुरुओं की पूजा-अर्चना, चरण वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया, वहीं सत्यनारायण की कथा भी करवाई गई। देश भर में गुरु का स्थान हमेशा

सर्वोपरि रहा है। ''गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरुर देवो महेश्वरा'' जैसे श्लोक इस बात की गवाही भी देते हैं कि गुरु को ईश्वर के समकक्ष माना गया है। गुरु पूर्णिमा पर क्षेत्र के सैकड़ों शिष्यों ने गुरुओं के सिद्ध स्थान गुरुधाम, आश्रम पर जाकर गुरुओं की चरण वंदना की एवं उनसे आशीर्वाद भी प्राप्त किया। किले पर स्थित प्रभु जी के दरबार में युवा समाजसेवी प्रभु जी के शिष्य मनोज सिंह सिकरवार, उमेश शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, शैलेश शर्मा, अरविंद श्रीवास्तव सहित शिष्यों ने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी प्रकार बरखंडी स्फटिक शिवलिंग गैपरा धाम पर महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी के दरबार में प्रातः से ही पूजा अर्चना का दौर प्रारंभ हुआ। भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया।

कांग्रेस नेता अन्नू परमार ने सेवा और संवेदना के साथ मनाया जयवर्धन सिंह का जन्मदिन

वृद्धजनों को कराया भोज, दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर केक काटा, भोजन किया और गीतों के साथ मनाया जश्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अनुराग परमार अन्नू द्वारा एक प्रेरणादायक, भावनात्मक और सामाजिक सरोकार से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अन्नू परमार मुरैना के वृद्धाश्रम पहुंचे, जहाँ उन्होंने वहां निवासरत वृद्धजनों को ससम्मान पौष्टिक भोजन कराया। उन्होंने प्रत्येक बुजुर्ग से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का दूसरा चरण विशेष रूप से भावुक कर देने वाला रहा, जब अन्नू परमार वृद्धाश्रम में रह रहे दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचे। वहाँ उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर केक काटा, उनके साथ भोजन किया और साथ बैठकर गीत भी गाए। बच्चों की मुस्कान और खुशी ने पूरे माहौल को आनंद और स्नेह से भर दिया। इस मौके पर श्री परमार दृष्टि बाधित दिव्यांगों को अपने हाथ से भोजन कराया। अन्नू परमार ने कहा, जयवर्धन सिंह जी जैसे संवेदनशील जननेता का जन्मदिन यदि सेवा और प्रेम के माध्यम से मनाया जाए तो उसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। बुजुर्गों और दिव्यांग बच्चों का साथ पाकर मैं स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी, युवा नेता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से जयवर्धन सिंह के स्वस्थ, समर्पित और दीर्घ राजनीतिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में अन्नू परमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति सेवा, सम्मान और सहयोग की भावना ही इसकी असली पहचान है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

वार्ड 2 की गलियों में गंदगी, जल भराव से रहवासी बेहद परेशान

दो वर्ष से कीचड़ एवं गंदगी में से निकलना पड़ता है स्कूली बच्चों एवं आमजनों को

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्र. 02 की गलियों में गंदगी जल भराव से यहां के रहवासी बेहद परेशान हो रहे हैं। पिछले 2 वर्ष से स्कूली बच्चों सहित यहां रहने वाले नागरिकों को गंदगी एवं कीचड़ में से निकलकर जाना पड़ता है। इस वार्ड की महिला पार्षद श्रीमती रेणु सिकरवार एवं उनके पति युवा समाजसेवी भाजपा नेता रविंद्र सिंह सिकरौदा का कहना है कि हमारे इस वार्ड के नागरिकों से नगर पालिका की जिम्मेदार कर्ताधर्ता पक्षपात एवं भेदभाव कर रहे हैं। जिसके चलते दो वर्ष से वार्ड की गलियों में निर्माण कार्य नहीं कर रहे हैं। एमएस रोड पर, गांधी पार्क के पीछे का काफी हिस्सा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02 में

आता है। इस वार्ड से श्रीमती रेणु-रविंद्र सिंह सिकरवार पार्षद हैं। पिछले लगभग 2 वर्ष से इस वार्ड की गलियों में जल भराव, कीचड़, गंदगी से आमजन परेशान है। विशेष कर गांधी पार्क के पीछे का हिस्सा उसमें स्थित गालियां तो इस समय नर्क बनी हुई हैं। जल भरा, कीचड़, गंदगी से यहां रहने वाले रहवासी बेहद परेशान हो रहे हैं। श्रीमती रेणु सिकरवार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रविंद्र सिंह सिकरवार का कहना है कि इस वार्ड के साथ नगर पालिका के अध्यक्ष, सीएमओ, उपयंत्री भेदभाव कर रहे हैं। गलियों के टेंडर हुए 2 साल हो चुके हैं, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य नहीं कराया गया है।

इनका कहना है

मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र सिंह रावत एवं उपयंत्री आकाश त्यागी का कहना है कि टेंडर हो चुके हैं। अगले तीन-चार दिन में वर्क ऑर्डर जारी कर कार्य प्रारंभ कर रहे हैंञ श्री रावत का यह भी कहना है कि साफ-सफाई का विशेष अभियान भी चलाकर गंदगी, कीचड़ की सफाई दो दिन में करवा देंगे।

दास्तां खुशियों कीः शहर में छाई है उडुपी किचिन के जायके की चर्चा

(हितेन्द्र सिंह भदौरिया)

ग्वालियर। शहर में दक्षिण भारतीय व्यंजन पसंद करने वाले लोगों में उडुपी किचिन खासी लोकप्रियता हासिल कर रही है। लजीज जायकेदार डोसा, इडली व सांभर-वड़ा खाने के शौकीनों की इस किचिन पर लाइन लगी रहती है। हाथ ठेले से शुरू हुई इस किचिन ने अब दुकान का रूप ले लिया है। ग्वालियर शहर में सिटी सेंटर व पुराने हाईकोर्ट के समीप उडुपी किचिन संचालित है। इस किचिन के मालिक नागार्जुन कहते हैं कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) ने हमें हाथ ठेला से दुकान का मालिक बना दिया है।

मूलतः हैदराबाद निवासी नागार्जुन ने कोरोना काल के बाद वर्ष 2021 में ग्वालियर के गोविंदपुरी क्षेत्र में हाथ ठेला लगाकर उडुपी किचिन के नाम से दक्षिण भारतीय व्यंजन का छोटा सा व्यवसाय शुरू किया था। नागार्जुन बताते हैं कि गोविंदपुरी क्षेत्र में निवासरत विद्यार्थियों में हमारी दुकान के डोसा, इडली व सांभर-वड़ा ने जल्द ही लोकप्रियता हासिल कर ली। बिक्री बढ़ी तो आमदनी भी बढ़ गई। पर आमदनी इतनी नहीं थी, जिससे हम अपनी दुकान खोल सकें। दुकान के खोलने के हमारे सपने को सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने साकार करा दिया। नागार्जुन बताते हैं कि पीएमईजीपी के तहत हमें सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया की ठाठीपुर शाखा के माध्यम से मुझे शुरूआत में 19 लाख रूपए का ऋण-अनुदान मिला। इससे हमने सिटी सेंटर में होटल गोल्डन पैलेस के समीप व पुराना हाईकोर्ट के पास उड़पी किचिन खोल ली। बाद में बैंक ने लोन बढ़ाकर 25 लाख रूपए का दिया, जिससे हमारी किचिन ने ऊँचाईयाँ हासिल की हैं। उनका कहना है कि पहले हमें हाथ ठेले जहाँ मात्र 8 से 10 हजार रूपए प्रतिमाह आमदनी होती थी वह अब बढ़कर एक से डेढ़ लाख रूपए प्रतिमाह हो गई है।

ग्वालियर में गत 5 जुलाई को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुए समरसता सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने जब सफल उद्यमी के रूप में नागार्जुन को सम्मानित किया तो नागार्जुन भावुक हो गए। वे कहने लगे कि सरकार बिना किसी भेदभाव के हम जैसे जरूरतमंद लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद जाहिर करते हुए नागार्जुन बोले कि उडुपी किचिन लोगों को उत्कृष्ट जायका तो हमें खुशहाली प्रदान कर रही है।

जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए वही गुरुः डॉ. नीतेश शर्मा

जीवाजी विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गुरू पूर्णिमा पर्व

ग्वालियर। गुरु ही व्यक्ति को अज्ञानता से निकालकर प्रकाश रूपी ज्ञान की तरफले जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि पर महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ है। वेद व्यास जी ने पहली बार इस जगत को चारों वेदों का ज्ञान दिया था। महर्षि वेदव्यास को प्रथम गुरु की उपाधि दी गई हैं। जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए वही गुरु है। समस्त दोषों को समाप्त कर गुणों को विकसित करता है वही गुरु है। जीवन जीने की कला सिखाने का नाम गुरु है। छात्रों में समग्र विकास कर समाज में स्थापित होने का नाम गुरु है।छोटा सा बालक गुरु के सानिध्य में आकर ही राम बनता है यही गुरु की महिमा है। समाज और राष्ट्र को दिशा देने का काम करने वाला ही गुरु होता है। यह बात गुरुवार को जेयू के गालव सभागार में आयोजित गुरू पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. नीतेश शर्मा ने कही। वहीं अध्यक्षता जेयू के प्रभारी कुलगुरू प्रो. शांतिदेव सिसौदिया ने की। प्रो.जेएन गौतम के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में प्रो. एसके शुक्ला ने कहा कि गुरु छात्र की क्षमता को पहचानकर उसे निखारने का

काम करते हैं। छात्रों की प्रगति पर सबसे ज्यादा खुशी गुरु को ही होती है। प्रोफेसर एसके सिंह ने कहा कि गुरु शिष्य को कुछ नया नहीं बताता बल्कि जो उसके अंदर है इसका बोध कराता है।कुलसचिव डॉ.राकेश कुशवाहा ने कहा कि छात्रों में शिक्षक के प्रति नम्रता का भाव होना चाहिए। छात्रों में सीखने की जिज्ञासा जागृत कर दे वही गुरु होता है। प्रभारी कुलगुरू प्रो. शांतिदेव सिसौदिया ने कहा कि इस पावन दिन पर गुरु, माता-पिता और धर्म ग्रंथों की पूजा से व्यक्ति को सुख और शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही कभी न समाप्त होने वाला ज्ञान भी प्राप्त होता है।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉक्टर शिव कुमार शर्मा ने कहा कि जीवन जीने की कला हमेशा गुरू ही सिखा सकता है। जीवन के मूल्य का महत्व गुरु सिखाता है। छात्रों को श्रेष्ठ और पुष्ट बनाना गुरु का काम है। छात्रों की कमजोरी को ताकत बना दे वही गुरु होता है। आप श्रेष्ठ तो बन सकते हैं लेकिन श्रेष्ठ इंसान गुरु ही बना सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों व गुरूओं को शाल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आदर्श व आभार प्रो. जेएन गौतम ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. आईके पात्रो,प्रो. एसके सिंह,प्रो. मुकुल तेलंग, प्रो. विवेक बापट,प्रो. हेमंत शर्मा, डॉ. सुमन जैन, डॉ. हरिशंकर कंसाना सहित समस्त शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

तीन दिवसीय मां गंगा चुनरी महोत्सव 28 से हरिद्वार में

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा तीन दिवसीय आयोजन 28 जुलाई से महाराजा अग्रसेन भवन आश्रम हरिद्वार में किया जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि तीन दिवसीय मां गंगा चुनरी

महोत्सव आयोजन में 28 जुलाई को सुबह 11 बजे हरिद्वार में हर की पौड़ी पर मां गंगा चुनरी शोभायात्रा निकाली जाएगी और 120 शहरों के संस्था प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय अग्रबंधु भी इस शोभायात्रा में शामिल होंगे। ग्वालियर से नेहा अग्रवाल, रचना लोहिया, विशाखा अग्रवाल, कविता मंगल, शशि सिंघल, वर्षा अग्रवाल, पदमा अग्रवाल, नीलम शाह, पूनम अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, सविता गर्ग, दीप्ति बंसल, रेखा अग्रवाल हर्षिनी जैन, अल्का बंसल, बबीता अग्रवाल, ममता ऐरन, ओमप्रकाश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, मुकेश सिंघल, कमलेश बाबू मंगल, विजय गोयल, गिर्राज अग्रवाल सहित अनेकों अग्रबंधु चुनरी शोभायात्रा के लिए 27 जुलाई को रात्रि में ग्वालियर से रवाना होंगे। 29 जुलाई को गंगा चुनरी महोत्सव के दूसरे दिन अग्रबंधु ऋषिकेश पहुंचकर मां का पूजन करेंगे और तीसरे दिन 30 जुलाई को मां गंगा मैया की महाआरती में सभी अग्रबंधु शामिल होंगे। इसी सन्दर्भ में 21 जुलाई को सिटी प्लाजा शिन्दे की छावनी पर सभी सदस्यों की एक बैठक भी आयोजित की गई है।

ट्रॉफी जीतने के बाद राज्यपाल से मिली मध्यप्रदेश व्हीलचेयर टीम

ग्वालियर। सातवीं कै. श्रीमंत माधवराव सिंधिया मेमोरियल टी-20 व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट की चैम्पियनशिप ट्रॉफी जीतने वाली मध्यप्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम ने संस्था के मुख्य संरक्षक एवं भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ के संयोजन में राजभवन स्थित राज्यपाल

मंगुभाई पटेल को पुष्पगुच्छ भेंट कर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल को खिलाड़ियों की गतिविधियों से अवगत कराकर टूर्नामेंट के विषय में जानकारी दी। इसके बाद राज्यपाल ने मध्यप्रदेश टीम के कप्तान कबीर सिंह भदौरिया एवं व्हीलचेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष जंडेल सिंह धाकड़ को ट्रॉफी जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए खेल एक महत्वपूर्ण टूल है, जो उनके शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य का संरक्षण करेगा एवं समावेशी और न्यायसंगत समाज के निर्माण में भी मदद करेगा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों की क्षमता का निर्माण करना महत्वपूर्ण है, जिससे व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए दिव्यांगता, संवेदनशील वातावरण तैयार किया जा सकें।

एक जिला एक उत्पाद के प्रमोशन के लिए कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। एमपीआईडीसी द्वारा एक जिला एक उत्पाद एवं एक्सपोर्ट के प्रमोशन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन रेडीमेड गारमेंट पार्क के सभागार में किया गया। जिसमें उद्यमियों को एक्सपोर्ट कैसे करें एक्सपोर्ट करने के लिए क्या-क्या दस्तावेज लगेंगे एवं एक्सपोर्ट में आने वाली समस्त कठिनाईयों को दूर करने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई दूसरा एक जिला एक उत्पाद में जिले से सेंड स्टोन चयनित है। इसके संबंध में भी चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से केदारपुर में प्रस्तावित स्टोन क्लस्टर की स्थापना करना ग्वालियर में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन करना आईसीडी मालनपुर से कांडला एवं मूंदड़ा के लिए कंटेनर ट्रेन की प्रस्तावना एवं अन्य समस्याओं से संबंधित

विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम शुरू करने से पूर्व एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक सिन्हा, कोन्कोर के गौतम, राहुल जैन, यक सलाहकार कुशवाहा, वालमार्ट से सोलंकी, स्टोन पार्क इंडस्ट्रियलिस्ट एसोसिएशन के संरक्षक डॉक्टर उपेन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष सत्यप्रकाश शुक्ला, रेडीमेड गारमेंट पार्क के अध्यक्ष महावीर राजपूत एवं लघु उद्योग भारती से सोवरन सिंह तोमर ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा महाप्रबंधक अमन कुमार द्वारा किया गया। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक सिन्हा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी के महाप्रबंधक अमन कुमार, एमपीआईडीसी के कार्यपालन यंत्री चौहान, देवेंद्र शर्मा, मधुसूदन सिंह तोमर, श्रीमती साधना शुक्ला सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

......शेष पृष्ठ एक का

परमार्थ न्यास के सेवाभावी जन को सम्मानित करेंगे न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी

सभी मरीजों का इलाज पूर्णतः निःशुल्क होता है । यहां नशा मुक्ति के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं जिसके तहत प्रत्येक रविवार को 30 से लेकर करीब 50 मरीज़ तक बीड़ी, सिगरेट, शराब छोड़कर संकल्प लेकर अपनी नशा सामग्री को वही छोड़ जाते है । इस नशा सामग्री का 31 मई जो विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है उस दिन अर्थी बनाकर इस दाह संस्कार किया जाता है। वहीं परमार्थ न्यास में दीन स्वरूप में भगवान को कृत्रिम दांतों का सेट, चश्मे एवं वस्त्र भी उपहार में दिए जाते हैं। यह समस्त सेवा पूर्ण तरह निःशुल्क है , जिसमें पर्चा बनने से लेकर दवाइ वितरण, जांचों की सुविधा, इ.सी.जी , ब्लड प्रेशर, शुगर एवं समस्त उपचार जिसमें दंत शल्य क्रिया चिकित्सा भी शामिल है । अन्य जटिल समस्याओं के लिए मरीजों को ग्वालियर, दिल्ली, आगरा भेजा जाता है , जहां उनका निःशुल्क उपचार कराया जाता है। डॉ संजय शर्मा संचालक परमार्थ न्यास ने बताया कि प्रयास यही है कि जा मरीज धन के अभाव में उपचार से छूटे हुए हैं जिनकी नर्सिंग होम्स में प्राइवेट चिकित्सकों के पास जाने की हिम्मत नहीं है ऐसे समस्त मरीजों को भगवान श्री सीताराम जी के रूप में आदर सहित उपचार प्रदान किया जा सके और इस चेतना ने बहुत लोगों को इस सेवा में साथ जोड़ दिया है अब ये चेतना बहुत बड़े स्वरूप में मुरैना से होकर चित्रकूट तक पहुंच गई है आशा है कि इस तरीके का यह कार्य आगे जाकर एक बड़ा स्वरूप ग्रहण करेगा इस सेवा में पूरा प्रयास इस बात का है कि किसी भी दीन स्वरूप में आए हुए मरीज़ जो की भगवान के रूप में आ रहे हैं उनका अपमान ना हो इसीलिए रविवार के दिन कोई भी परिचित, वीआईपी, रिश्तेदार, मित्र भी उसी भाव से उसी आदर के साथ नंबर लगा कर ही उपचार पाते हैं और इस बात को मानते हैं कि यहां किसी भी दीन का अपमान नहीं हो सकता ।मेरा निवेदन है कि इस सेवा में हमारे समस्त पत्रकार बंधू जिन्होंने परमार्थ न्यास के पहले दिन शुरू होने से लेकर और आज दिनांक तक सदैव अपनी भावनाओं , श्रद्धा ओर भक्ति से इस कार्य को सदेव जन जन तक पहुँचाया है । हम सभी जन से आशा करते हैं कि सदव भगवान के पवित्र कार्य में अआप अपनी आहुति डालकर मदद करते रहेंगें।

गुरु पूर्णिमा पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, शिष्यों ने पूजन कर लिया गुरु का आशीर्वाद

ग्वालियर। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरूवार को श्रद्धाभाव से मनाया गया। गुरु पूर्णिमा पर शिष्य अपने गुरुजनों का वंदन-पूजन करते हैं। सुबह तेज बारिश के बीच शिष्यों का अपने गुरूजनों को पूजन करने का सिलसिला शुरू हो गया था। वहीं सनातन धर्म मंदिर, सांई बाबा मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, बालाजी मंदिर, गंगादास की बड़ी शाला, अण्णा महाराज के मठ में भक्तों की भीड़ दर्शनों के लिये लग गई थी। भक्तों ने देव पूजन के साथ अपने आध्यात्मिक गुरु के पास पहुंचकर उन्हें माल्यार्पण और चरणवंदना कर उनका आशीर्वाद लिया। उधर, गिरिराज जी की परिक्रमा और मथुरा-वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की स्टेशन पर भीड़ रही। वहीं जीवाजीगंज स्थित बालाजी धाम में राकेश महाराज गुरू एवं महामाया शक्ति पीठ चिटनिस की गोठ पर भी गुरूवार को गुरूपूर्णिमा महोत्सव मनाया गया।

शहर और मुरार स्थित गिरिराज मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। इंदरगंज के नजदीक स्थित गिरिराज मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ से ट्रैफिक जाम के हालात बन गए थे, जिसे व्यवस्थित करने पुलिस को काफी मशक्कत करना पड़ी। यहां गिरिराज भक्त मंडल के पदाधिकारियों ने भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया। श्री दादाजी धाम धर्मपुरी मंदिर में गुरु पूर्णिमा उत्सव महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरनंद दादाजी महाराज के सानिग्ध में मनाया गया। सुबह 8 बजे से भक्तों ने धर्मपुरी मंदिर में एकत्रित होकर गुरुदेव भगवान का चंदन तिलक लगाकर पूजन कर पुष्प माला पहनाकर आरती की। भक्तों ने श्री सद्गुरु महिमा के भजन भी गाए। वहीं जनकगंज स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में भगवान लक्ष्मी नारायण का सुबह 6 बजे अभिषेक कर विशेष श्रृंगार मंदिर के पुजारी राघवेश लघाटे ने किया। सुबह 4 बजे से ही भक्तों का मंदिर में आने का सिलसिला शुरू हो गया था। देश के अलग-अलग स्थानों से आए श्रद्धालु और शिष्यों ने प्रभु श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन कर बाबा महाराज की चरण पादुकाओं का पूजन कर अपना व्रत खोला। गुरूपूर्णिमा पर गुरुवार सुबह 8 बजे से ही शहर में भंडारे शुरू हो गए थे। मंदिरों के आसपास और शहर की सड़कों पर जगह-जगह भंडारों के आयोजन किए गए। किसी ने गुरु के नाम से भंडारा किया तो किसी ने श्रीकृष्ण के नाम से भंडारा किया।

बालाजी भक्त मंडल द्वारा जीवाजीगंज में किया गुरू पूजन

गुरूपूर्णिमा के अवसर पर बालाजी भक्त मंडल द्वारा जीवाजीगंज में गुरूपूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। यहां भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने राकेश महाराज गुरू का माल्यार्पण कर शाल श्रीफल भेंट कर आर्शीवाद लिया। राकेश महाराज के दरबार में ग्वालियर के अलावा भिंड, मुरैना, दतिया, भोपाल, इंदौर, उत्तर प्रदेश के इटावा, आगरा, झांसी, मैनपुरी, कानपुर, औरैया, राजस्थान के धौलपुर, कोटा, भरतपुर, जयपुर, हरियाणा के फरीदाबाद, हिसार, दिल्ली से उनके शिष्य दरबार में पहुंचे और राकेश महाराज के चरण पखारकर आर्शीवाद लिया। गुरूपूर्णिमा के अवसर पर राकेश महाराज ने अपने शिष्यों को गुरू दक्षिण भी दी। गुरूपूर्णिमा के अवसर पर प्रसादी का वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया था।

साईं बाबा मंदिर में लगे छप्पन भोग

सांई बाबा मंदिर विकास नगर में छप्पन भोग लगा और फूल बंगला सजाया गया। सुबह कांगड़ा आरती की, फिर 5 बजे बाबा का सवा क्विंटल दूध से अभिषेक किया गया। सनातन धर्म मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर भगवान श्री चक्रधर का आचार्य स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भक्तगणों ने कृष्णम वन्दे जगदुरुं के भाव से भगवान चक्रधर व श्रीकृष्ण का चरण पूजन मुख्य पुजारी पण्डित रमाकान्त शास्त्री के आचार्यत्व में किया।

महामाया शक्ति पीठ पर भी मना गुरूपूर्णिमा पर्व

महामाया शक्ति पीठ चिटनिस की गोठ पर भी गुरूवार को गुरूपूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। भारी संख्या में आये गुरू भक्तों ने पीठाधीश्वर आचार्य बालकृष्ण कोड़ातकर का पुष्पहार से अभिनंदन किया और गुरू को श्रीफल, भेंट, मिष्ठान देकर सम्मान किया। आचार्य कोड़ातकर ने इस मौके पर सभी भक्तों को आर्शीवाद दिया और सभी से सत्य, संयम व भलाई के मार्ग पर चलने का आव्हान किया। सभी को प्रसाद वितरण भी कराया गया। महामाया शक्ति पीठ पर आने वाले सभी भक्तों को दुर्लभ कल्पवृक्ष के भी दर्शन कराये गये। जिसके दर्शन से भक्तों ने जीवन में कल्याण की कामना की।

योग शिक्षिका श्रीमती त्रिपाठी का बहनों ने किया सम्मान

ग्वालियर। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरूवार को महिला पतांजलि योग समिति की बहनों ने लेडीज पार्क छत्री बाजार में योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी का शाल, श्रीफल, माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरित कर सम्मान किया। इस अवसर पर योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी ने कहा कि गुरू पूर्णिमा पर्व गुरूओं के लिये भी महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दिन गुरू को अपने शिष्यों का सबसे अधिक प्यार मिलता है। वहीं गुरू भी अपने शिष्य का अभिवादन स्वीकार कर शिष्य को बहुत आर्शीवाद देता है। इसलिये गुरू पूर्णिमा पर गुरू और शिष्य के प्रेम पर टिका है और इसीलिये ही गुरू पूर्णिमा का महत्व बढ़ जाता है। इस त्यौहार के लिये सालभर गुरू और शिष्य इंतजार करते है। उल्लेखनीय है कि महिला पतांजलि योग समिति की योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी पिछले ग्यारह वर्षो से बहनों को निशुल्क योग लेडीज पार्क छत्री बाजार में करा रही है और योग के माध्यम से कई बहनों को गंभीर बीमारी से मुक्ति मिली है। उधर योग शिक्षिका श्रीमती अमिता त्रिपाठी और श्रीमती दलजीत मान ने अपनी योग गुरू श्रीमती सुमन अग्रवाल के घर पहुंचकर उनका सम्मान कर आर्शीवाद लिया।

गुरू से ही गुणों का स्वरूप और निखरेगा: सुमन गुर्जर

– गुरू पूर्णिमा पर फाईन आर्टस कालेज में प्रख्यात चित्रकार कुमावत ने डेमो दिया

ग्वालियर। गुरू के सानिध्य से ही गुणों का स्वरूप निखरता है, यदि गुरू का आर्शीवाद आपके साथ है , तो आप जीवन में कभी पीछे नहीं रह सकते। गुरू के माध्यम से ही हमें ईश्वर की प्राप्ति होती है। यह बात गुरूवार को ग्वालियर की एडीशनल एसपी सुमन गुर्जर ने शासकीय फाईन आर्टस कालेज में गुरू पूर्णिमा के मौके पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुये कही। इस मौके पर देश के प्रख्यात चित्रकार श्याम पुंडलिक कुमावत ने छात्र-छात्राओं को कला के गुर भी बताये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने की।

कार्यक्रम में एडीशनल एसपी सुमन गुर्जर ने कहा कि गुरू का कार्य नवसृजन करना है, गुरू ही हमें जीवन में सही रास्ता प्रदर्शित करता है। हम कितने ही आधुनिक क्यों न हो जाये लेकिन हमारे देश में गुरू -शिष्य परंपरा हमेशा ही रहेगी। इस मौके पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरू का होना जरूरी है, वही हमें जीवन की सही राह का सिद्धांत बताता है। कार्यक्रम में कालेज के पूर्व निदेशक मधुसूदन शर्मा ने कहा कि कला-संस्कृति ही हमें गुरू से जुडने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में प्रशासनिक प्रभारी गिर्राज शर्मा, ओमेन्द्र वर्मा, केदार सिंह उन्हाडी, अनूप शिवहरे, गिर्राज गुप्ता, कामिनी सूत्रकार आदि भी उपस्थित थे। संचालन मनीष चंदेरिया ने किया।

प्रख्यात चित्रकार कुमावत का सम्मान हुआ

मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा गुरू पूर्णिमा पर फाईन आर्टस कालेज मे आयोजित डेमो एवं व्याख्यान में प्रख्यात चित्रकार श्याम पुंडलिक कुमावत महाराष्ट्र का सम्मान एडीशनल एसपी सुमन गुर्जर व जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया।

आशाराम आश्रम में मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव, हुआ भंडारा

आशाराम आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें हजारों आदिवासी परिवारों को भोजन प्रसादी पश्चात बर्तन सेट उपहार स्वरूप भेंट किये गये। भारी संख्या में सुबह से ही आश्रम में भक्तों का आना शुरू हो गया था। कार्यक्रम में विजय महाराज ने श्री आशा रामायण पाठ सत्संग कराया उसके पश्चात सामूहिक मंगल आरती कर व्यास पीठ से भक्तों ने आशीर्वाद ग्रहण किया। भोजन प्रसादी के साथ विशाल भंडारा देर शाम तक चलता रहा।

दो घंटे झमाझम बरसे बदरा, 64.5 मिमी दर्ज

– शहर की सड़कें नाले में तब्दील, घंटों बहा दो फीट पानी

– आज भी बारिश के आसार, येलो अलर्ट

ग्वालियर। काफी दिन बाद गुरूवार को ग्वालियर में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक मूसलाधार बारिश हुई। बारिश इतनी तेज थी कि केवल एक घंटे में ही समूचा शहर तर हो गया। तो वहीं निचली बस्तियों में जमकर पानी भर गया। शहर की सड़कें नाले व नालियों में तब्दील हो गई। जबकि बड़े बड़े नाले तक उफान पर आ गये। इस दौरान शहर में कई जगह जाम लगने की भी स्थिति निर्मित हो गई। जब बारिश कम हुई और सड़कों पर बह रहा पानी घटा तब कहीं शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकी। मौसम विभाग ने दो घंटे में 64.5 मिमी बारिश होना बताया है। यह बारिश मिलाकर ग्वालियर में सीजनल बारिश का आंकड़ा 462.1 मिमी हो गया है।

स्थानीय मौसम कार्याजलय के अनुसार ग्वालियर में गुरूवार की सुबह से ही आसमान पर बादलों ने डेरा डाल लिया था। जैसे जैसे बादल नीचे आते गये और अंधियारी छाने लगी। देखते ही देखते बारिश का दौर शुरू हो गया। करीब एक घंटे मूसलाधार बारिश हुई। फिर बारिश का उतार चढ़ाव चलता रहा। सुबह 10 बजे से शुरू हुई बारिश दोपहर 12 बजे तक जारी रही। बारिश शुरू होते ही तापमान भी बैकफुट पर आ गया। बीते दिन बुधवार को अधिकतम तापमान 32.7 डिसे दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 3.6 अंक घटकर अधिकतम तापमान 29.1 डिसे दर्ज हुआ। यह सामान्य से 6.5 डिसे मायनस में आंका गया। इसी तरह बीते दिन बुधवार को न्यूनतम तापमान 29.8 डिसे आंका गया। यह सामान्य से 1.7 डिसे अधिक दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 2.5 अंक घटकर 26.8 डिसे दर्ज हुआ। यह सामान्य से 0.4 डिसे मायनस में आंका गया। गुरूवार को सुबह की आर्दता 92 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता भी 92 प्रतिशत आंकी गई। मौसम वैज्ञानिक डी अरूण शर्मा ने बताया कि अभी भी मौसम अनुकूल है। आज शुक्रवार को बारिश के लिये येलो अलर्ट है।

तेज बारिश से निचली बस्तियों में भरा पानी, कमर तक जलभराव

गुरुवार सुबह लगभग दो घंटे की तेज बारिश में निचली बस्तियों के साथ ही पॉश कॉलोनियों में भी पानी भर गया। सबसे खराब स्थिति लक्ष्मीगंज स्थित जागृति नगर की रही। यहां बुधवार सुबह कमर से ऊपर तक पानी भर गया था। हालात ये थे कि लोग अपने-अपने घरों से पानी निकालने में जुटे थे। यहां घर के किचन तक में पानी भरा था और बरसाती पानी में किचन के बर्तन तैर रहे थे। तेज बारिश के कारण नगर की तीन गलियों के करीब 50 घरों में सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना तक नहीं बन पाया था। इस दौरान बच्चे भूखे-प्यासे परेशान होते रहे। इतना ही नहीं, बारिश की वजह से लोग अपने काम पर भी नहीं जा सके। इसके बावजूद न तो कोई स्थानीय नेता, न वार्ड पार्षद और न ही नगर निगम का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर पहुंचा। गुरुवार सुबह रिमझिम के साथ तेज बारिश हुई, जिससे शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर वाहनों के पहिए पानी में डूबते नजर आए, वहीं निचली बस्तियों में घरों में कमर तक पानी भर गया। नदियों के साथ-साथ नालियां भी तेजी से बहने लगीं। स्थिति इतनी खराब थी कि पानी में बाइकें तक पूरी तरह डूब गईं थी। शताब्दीपुरम, आदित्यपुरम, डीडी नगर, लधेड़ी, श्रीनगर कॉलोनी, नदी पार टाल, नारायण विहार और सिरोल रोड की निचली बस्तियों में घुटनों से लेकर कमर तक पानी भर गया था। इसके अलावा रॉकी पुल, न्यू जीवाजी नगर, सिटी सेंटर सहित शहर की अन्य कॉलोनियों और गली-मौहल्लों में भी जलभराव हो गया था। यहां के लोगों का कहना था कि बारिश होते ही गली, मौहल्ले और कॉलोनियों में हर बार ऐसे ही हालात हो जाते हैं।

स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 पर कार लेकर पहुंचा युवक, ट्रेन के सामने लगाई गाड़ी, आरपीएफ ने पकड़ा

ग्वालियर। रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब एक नशे में धुत युवक अपनी कार को लेकर सीधे प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंच गया। रात करीब 3 बजे हुई इस घटना से यात्रियों और स्टेशन स्टाफ में हड़कंप मच गया। गनीमत यह रही कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद आरपीएफ जवानों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए युवक को कार समेत दबोच लिया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने आरोपी कार चालक का मेडिकल कराने के बाद उसके खिलाफ यात्रियों की जान खतरे में डालने और रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार दोपहर को युवक को रेलवे कोर्ट में पेश किया, जहां रेलवे कोर्ट ने उस पर चालानी कार्रवाई करने के बाद उसे जमानत देकर छोड़ दिया है।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर कार लेकर पहुंचा 34 वर्षीय नितिन राठौर महाराजपुरा स्थित आदित्यपुरम का रहने वाला है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि उसने पिछली रात ज्यादा शराब पी ली थी, जिससे उसे होश नहीं था। इसी कारण वह अपनी ब्लेंजा कार क्रमांक एमपी07जेडवी 8881 लेकर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंच गया। उसे यह भी याद नहीं था कि वह कार लेकर कहां जा रहा है। वहीं सूत्रों के मुताबिक यह भी बताया जा रहा है कि युवक का अपनी पत्नी से शराब को लेकर विवाद हो गया था और पत्नी नाराज होकर मायके जाने के लिए स्टेशन पहुंची थी, उसी को मनाने के लिए वह अपनी कार को लेकर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंच गया था। लेकिन आरपीएफ पुलिस ने इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं की है। आरपीएफ पुलिस का कहना है कि आरोपी कार चालक ने पूछताछ में शराब में होना बताया था।

हजार बिस्तर अस्पताल में मरीज ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। हजार बिस्तर अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर भर्ती एक 70 वर्षीय मरीज रामकरन राठौर ने अस्पताल में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना सर्जरी वार्ड की है। रामकरन मुरैना का रहने वाला था और ब्लड कैंसर के इलाज के लिए भर्ती था। उसने कैंसर के असहनीय दर्द से तंग आकर वार्ड की खिड़की पर तौलिया से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब तक हॉस्पिटल स्टाफ की नजर उस पर पड़ी तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा दिया है। पुलिस को आशंका है कि वृद्ध ने बीमारी और दर्द से तनाव में आकर फांसी लगा ली है। पुलिस के अनुसार बीती 1 जुलाई को परिजनों ने उसे हजार बिस्तर अस्पताल की पांचवीं मंजिल स्थित सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया था। रात को जब सब लोग सो गए तो रामकरन ने तौलिया गले में बांधी और खिड़की से फांसी पर लटक गया। इस मामले में कंपू थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि कैंसर पीड़ित मरीज ने अस्पताल में फांसी लगाई है। बुजुर्ग बीमारी से परेशान था।

बिल मांगने पर होटल संचालक से मारपीट

ग्वालियर। मोहनपुर रोड स्थित बालाजी होटल में खाना खाने आए तीन बदमाशों ने बिल चुकाने से इनकार करते हुए होटल मालिक और कर्मचारियों के साथ मारपीट की। आरोपियों ने न सिर्फ लात-घूंसों और प्लास्टिक के पाइप से हमला किया, बल्कि पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी। यह पूरी वारदात होटल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना 9 जून की रात 7 से 8 बजे के बीच की है, जबकि इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया। पुलिस ने होटल संचालक की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुरार थाना क्षेत्र के बालाजी होटल में तीन युवक कार से पहुंचे थे। उन्होंने खाना खाया, लेकिन बिल चुकाने की बजाय एक-दूसरे की ओर देखने लगे। जब कर्मचारियों ने पैसे मांगे तो उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और होटल मालिक समेत स्टाफ पर हमला कर दिया। तीनों ने प्लास्टिक पाइप से पिटाई की और उनमें से एक युवक ने कमर से पिस्टल निकाल ली। उसने धमकाते हुए कहा - ÷अगर दोबारा पैसे मांगे, तो जान से मार देंगे।÷ इसके बाद तीनों बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की शिकायत के बाद मुरार थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में सीएसपी राजीव जंगले के मुताबिक तीन अज्ञात आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

आईटीआई कालेजों को एग्जाम सेंटर नहीं बनाये जाने पर महासंघ में भारी आक्रोश

ग्वालियर। आईटीआई महासंघ मध्यप्रदेश ने अपेक्स काउंसिल डी जीटी के निर्देशानुसार सीबीटी एग्जाम कराने की मांग की है। महासंघ का कहना है कि आईटीआई के सीबीटी आनलाइन एग्जाम के संचालन हेतु डायरेक्टर जनरल आफ ट्रेनिंग द्वारा कंपनी को निर्धारित करते हुये टेंडर के माध्यम से सभी प्रदेशों में समान रूप से एग्जाम कराने की जिम्मेदारी दी है। लेकिन मध्यप्रदेश के स्टेट डायरेक्टर द्वारा सेंटरों के निर्धारण में इसका उल्लंघन किया जा रहा है। बिना किसी आदेश के सेंटर बनाने का दबाब कंपनी पर बनाया जा रहा है। इससे कालेज महासंघ के पदाधिकारियों में काफी रोष व्याप्त है। सीबीटी आनलाइन एग्जाम का संचालन आल इंडिया ट्रेड टेस्ट के एक्जाम कंट्रोलर द्वारा भी समय समय पर कराये जाने की बात कही है। परंतु भेदभावपूर्ण रवैया केवल मध्यप्रदेश के साथ ही अपनाया जा रहा है। यहां नियमों का उल्लंघन करते हुये मनमाने ढंग से एग्जाम सेंटर बनाये जा रहे हैं। इससे छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कालेज संचालकों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। संपूर्ण मध्यप्रदेश में डीजीटी के मानक अनुसार एग्जाम संचालित कर सेंटरों का निर्धारण करने की मांग आईटीआई महासंघ मध्यप्रदेश ने की है। इस नियम का पालन पूरे देश में किया जा रहा है, लेकिन मध्यप्रदेश के साथ भेदभाव किया जा रहा है। महासंघ का कहना है कि उनकी सुनवाई नहीं होने पर मजबूरी में उनको न्यायालय की शरण लेनी पड़ेगी।

जंगल में बबूल की लकड़ी से भरा चार पहिया वाहन जब्त

– वन चौकियों के स्टाफके सहयोग से ईंधन डिपो में रखवाया

ग्वालियर। वन अधिकारियों के निर्देशन व मार्गदर्शन में गुरूवार को बीलपुरा वन चौकी स्टाफ ने जंगल में लकड़ी माफिया से सामना कर एक अशोक नीलेण्ड चार पहिया वाहन जब्त किया है। वाहन में बबूल प्रोसोपिस की लकड़ी करीब 20 से 30 क्विंटल भरी हुई थी। सुरक्षा की दृष्टि से सहयोग के रूप में छोड़ा, मुण्डेबाबा और जौरासी वन चौकी के प्रभारी एवं स्टाफभी मौजूद रहा।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार की सुबह मुखबिर सूचना मिली कि लकड़ी माफिया वीलपुरा वन चौकी अंतर्गत बीट तालपुरा के जंगल से प्रोसोपिस काटकर ला रहे है। खबर मिलते ही वन अधिकारियों के निर्देशन व मार्गदर्शन में वीलपुरा वन चौकी प्रभारी अपने दलबल के साथ बताये स्थान पर पहुंच गये। इस दौरान जंगल से एक संदिग्ध वाहन निकलते दिखा। पीछा करते हुये सिगोरा रोड पर घेर लिया। वाहन चालक एवं अन्य लोग मौके से एक दूसरे वाहन में बैठकर फरार हो गये। चार पहिया वाहन अशोक नीलेण्ड जिसका क्रमांक एमपी07जीए 5497 जिसमे जंगल की लकड़ी भरी हुई मिली। मौके पर ही जब्ती पंचनामा बनाया गया। जैसे ही वाहन को पुरानी छावनी पुलिस थाने के लिये ले जाने लगी तो माफिया वाहन का पीछा करते हुये लकड़ी भरे वाहन के इधर उधर मंडराने लगे। आखिर ग्वालियर रेंज की सभी चौकी के दलबल का सहयोग लेकर वाहन जब्ती की कार्रवाई की गई।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड शिवपुरी,म0प्र0

नि.आ.सू. कमांक 103–104/2025–26/लो.स्वा.यां.वि./खण्ड शिवपुरी,दिनांक 08.07.2025

दूरभाष कमांक 07492–223269

// निविदा आमंत्रण सूचना //

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई–निविदायें On-line आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम– शिवपुरी जिले के विकासखण्ड नरवर की निम्नानुसार नलजल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत शेष, आर.सी.सी उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, सम्पवेल निर्माण, पाईप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत कनेक्शन इत्यादि कार्य।

क.	निविदा सूचना कमांक	सिस्टम टेंडर कमांक	विकास खण्ड	ग्राम एवं मजरो का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	103/2025–26	2025_PHED_435401_1	नरवर	सड / कडोरा–इमलिया / समूहा	238.65	238650	15000
2	104/2025–26	2025_PHED_435403_1	नरवर	करई / कटेंगरा / पनानेर	292.59	292590	15000

निविदा कय/डाउनलोड दिनांक– 14.07.2025 समय 10.30 बजे से
बिड सबमिशन प्रारम्भ दिनांक– 14.07.2025 समय 10.30 बजे से
बिड सबमिशन अंतिम दिनांक– 28.07.2025 समय 17.30 बजे तक
तकनीकी बिड खोलने का दिनांक– 30.07.2025 समय 11.30 बजे से

नोट– यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरककर्ता के कार्यालय अथवा वेब साइट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। समस्त संशोधन उक्त वेब साइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

G15425/25

कार्यपालन यंत्री,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग,
खण्ड शिवपुरी,म0प्र0

संपादकीय

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

-डॉ. आशीष वशिष्ठ -

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-‘पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।’ यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडक़ा। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, %%मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?%%

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को ‘सांप्रदायिक मोड़’ दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है %न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।% इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान %लालाजी पनीर भंडार% के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे।

सोशल मीडिया की जवाबदेही तय करनी होगी

भारत में ज्यादातर यूजर ओटीटी वीडियो और म्यूजिक कंटेंट के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। चैटिंग, ईमेल और कॉल्स के साथ सोशल मीडिया का भी खूब इस्तेमाल होता है। ये एक्टिविटीज शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से लोकप्रिय हैं।

– रोहित माहेश्वरी, स्वतंत्र पत्रकार –

पूरी दुनिया में सूचना और संचार क्रांति की अंधी दौड़ मची है। इसमें बहुत बड़ी भूमिका इंटरनेट निभा रहा है। आज जिनके पास भी इंटरनेट है उनका एक अहम समय इसपर ही व्यतीत होता है, खासकर सोशल मीडिया पर। वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का एक अहम पहलू है। इस अधिकार के उपयोग के लिये सोशल मीडिया ने जो अवसर नागरिकों को दिये हैं, डेढ दशक पूर्व उनकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। दरअसल, इस मंच के ज़रिये समाज में बदलाव की बयार लाई जा सकती है। लेकिन, चिंता का विषय है कि मौजूदा वक्त में सोशल मीडिया अपनी आलोचनाओं के लिये चर्चा में रहता है। दरअसल, सोशल मीडिया की भूमिका सामाजिक समरसता को बिगाड़ने और सकारात्मक सोच की जगह समाज को बांटने वाली सोच को बढ़ावा देने वाली हो गई है।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सेना के खिलाफ इंटरनेट (सोशल) मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोपित को जमानत देने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति देशवाल ने कहा, उच्च प्रतिष्ठित व्यक्तियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाकर, ऐसी सामग्री पोस्ट करना जो लोगों के बीच वैमनस्य और घृणा पैदा करती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना ‘कुछ लोगों के समूहों के बीच फैशन’ बन गया है।

एक अन्य मामले में बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अन्य आरोपी की जमानत खारिज करते हुए डिजिटल मीडिया के अपराधीकरण पर चिंता जाहिर की है। न्यायमूर्ति अजय भनोट ने यह टिप्पणी उस समय की जब उन्होंने वाट्सएप पर एक महिला की अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने के आरोपी रामदेव की जमानत अर्जी खारिज की।

आज सोशल मीडिया का इस्तेमाल राजनीतिक पार्टियों द्वारा भी जम कर किया जा रहा है मगर इसका इस्तेमाल जिस तरह से हो रहा है वह वाकई चिंता का विषय है। राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ उनके समर्थक भी अक्सर शालीनता की सारी हदें पार कर लेते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के समय चुनाव आयोग ने भी राजनीतिक दलों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि वे ऐसी सामग्री प्रकाशित न करें जो झूठी, भ्रामक या अपमानजनक हो, खासकर महिलाओं के प्रति। अभियान सामग्री में बच्चों का उपयोग और हिंसा या जानवरों को नुकसान पहुंचाने का चित्रण भी निषिद्ध है। सुप्रीम कोर्ट भी कई मामलों में सोशल मीडिया के दुरुपयोग के बारे में सख्त टिप्पणियां कर चुका है।

साल 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अफ्रीकी-अमेरिकी युवक की मृत्यु के बाद बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन को दौर प्रारंभ हो गया था। यह हिंसक विरोध प्रदर्शन स्वतः परंतु सोशल मीडिया द्वारा विनियोजित था। इससे पूर्व अरब की सड़कों पर शुरू हुए प्रदर्शनों (जिसने कई तानाशाहों की सत्ता को चुनौती दी) में भी सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव का अनुभव किया गया था। सोशल मीडिया के माध्यम से लोग अपने विचारों को एक-दूसरे के साथ साझा कर एक नई बौद्धिक दुनिया का निर्माण कर रहे हैं।

भारत में इंटरनेट यूजर्स की तादाद लगातार तेजी से बढ़ रही है। इसमें खासकर ग्रामीण इलाकों से आने वाले यूजर्स शामिल हैं। आई.ए.एम.ए.आई. और कंतार की रिपोर्ट %इंटरनेट इन इंडिया% के मुताबिक, भारत में 2025 के दौरान इंटरनेट? यूजर्स की संख्या 90 करोड़ के पार हो? सकती है। यह रिपोर्ट बताती है कि 2024 में ?इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88.6 करोड़ ?तक पहुंच गई थी।

ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट यूजर शहरी क्षेत्रों की तुलना में तेजी से बढ़ रहे हैं। 2024 में भारत में 88.6 करोड़ एक्टिव इंटरनेट यूजर थे। इनमें से 48.8 करोड़ ग्रामीण इलाकों से थे। यह देश के कुल इंटरनेट यूजर्स का 55 प्रतिशत हिस्सा है। देश में इंटरनेट यूजर्स में से 47 प्रतिशत महिलाएं हैं। इस ट्रेंड से जाहिर होता है कि डिजिटल क्रांति अब सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों तक भी अपनी पहुंच बना रही है और वह भी हर वर्ग में।

भारत में ज्यादातर यूजर ओटीटी वीडियो और म्यूजिक कंटेंट के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। चैटिंग, ईमेल और कॉल्स के साथ सोशल मीडिया का भी खूब इस्तेमाल होता है। ये एक्टिविटीज शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में समान रूप से लोकप्रिय हैं। साथ ही, डिजिटल पेमेंट्स और नेट कॉमर्स (ई-कॉमर्स) जैसे गतिविधियां भी तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, वॉट्सऐप, और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल अब सिर्फ पर्सनल चैट तक सीमित नहीं है, बल्कि इनका कमर्शियल कामकाज के लिए भी उपयोग किया जा रहा है। रील्स बनाने का ट्रेंड शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों के लोगों में समान रूप से पॉपुलर है। औसत दैनिक उपयोग~ इंटरनेट यूजर हर दिन औसतन 90 मिनट इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसमें शहरी यूजर थोड़ा ज्यादा समय (94 मिनट) तक इंटरनेट चलाते हैं। ग्रामीण यूजर्स (89 मिनट) इस मामले में उनसे थोड़ा पीछे हैं। लेकिन, यह आंकड़ा दिखाता है कि इंटरनेट अब दैनिक जीवन का जरूरी हिस्सा बन गया है, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्र।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को नया आयाम दिया है, आज प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी डर के सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार रख सकता है और उसे हज़ारों लोगों तक पहुंचा सकता है। वहीं,सोशल मीडिया पर फेक न्यूज के माध्यम से समाजकंटक समाज में वैमनस्यता, नफरत फैलाने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम करते हैं। बिना किसी जांच-पड़ताल के अधिकांश मुद्दों को जाति, धर्म, संप्रदाय में बांट कर वास्तविकता और संविधान की मूल भावना को दरकिनार करके असभ्य और अमर्यादित भाषा में टिप्पणी करने लगते हैं। कई लोग तो सोशल मीडिया का दुरुपयोग भी धड़ल्ले से कर रहे हैं। फर्जी फेसबुक, इंस्टाग्राम व अन्य अकाउंट बनाकर लोगों को ठगा जा रहा है। इसमें आपत्तिजनक चीजों की भरमार है जिससे सोशल मीडिया की प्राइवेसी को खतरा है।

वर्तमान में सोशल मीडिया सबसे ताकतवर माध्यम है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। सोशल मीडिया को अधिक जिम्मेदार बनाने के लिए सख्त नियमों का पालन करवाना चाहिए। फेक न्यूज और हेट स्पीच पर तुरंत कार्रवाई हो। प्लेटफॉर्म को कंटेंट मॉडरेशन तकनीक बेहतर करनी चाहिए। यूजर्स की पहचान सत्यापित होनी चाहिए। डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए स्कूलों और समाज में जागरूकता अभियान चलाए जाएं। शिकायतों के त्वरित निवारण हेतु नियामक तंत्र मजबूत हो। विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया को अधिक जिम्मेदार बनाने के लिए उपयोगकर्ताओं, प्लेटफार्मों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा।

आम नागरिकों में इस बात की समझ भी नहीं है कि किस बात को कैसे लोगों के समक्ष रखना है। साथ ही राजनीतिक दल भी इसका भरपूर उपयोग अपने फायदे के लिए कर रहे है। अब किससे यह उम्मीद की जाये? सोशल मीडिया भारत में अभी अपने उत्कर्ष पर है, इसलिए उसकी आक्रामकता स्वाभाविक है,परंतु यहां उसे अपनी मर्यादाओं और जिम्मेदारियों को समझना होगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्व समझते हुए उसका दुरुपयोग करने से बचने की जरूरत है। ऐसा न हो कि सोशल मीडिया के धुरंधरों की ये नादानियां सत्ता को इस माध्यम पर अंकुश लगाने का अवसर दे बैठे। सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जरूरी है, तभी यह समाज को जोड़ने का माध्यम बन सकता है, तोड़ने का नहीं।

नेताओं की सियासी फायदे वाली चुप्पी और हंगामे वाला ड्रामा

संजय सक्सेना, लखनऊ

भारत की राजनीति एक ऐसा मंच है, जहां हर दिन नया ड्रामा, नया विवाद और नई कहानियां जन्म लेती हैं। यह वह रंगमंच है, जहां राजनैतिक दल और उनके नेता कभी किसी मुद्दे पर गहरी चुप्पी साध लेते हैं, तो कभी मामूली-सी बात को लेकर हंगामा खड़ा कर देते हैं। यह चुप्पी और हंगामा, दोनों ही उनकी सियासत का हिस्सा हैं। एक सोची-समझी रणनीति, जो जनता के मन को भटकाने, सहानुभूति बटोरने या विरोधियों को घेरने के लिए रची जाती है। इस सियासत की परतें इतनी जटिल हैं कि आम आदमी अक्सर यह समझ ही नहीं पाता कि आखिर माजरा क्या है। ताजा मामला महाराष्ट्र में भाषा विवाद से जुड़ा हुआ है जहां मराठी की अस्मिता के नाम पर उत्तर भारतीयों को मारा-पीटा जा रहा है और इस पर उत्तर भारत में राजनीति करने वाले नेता तक मुंह खोलने से कतरा रहे हैं। कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सब के मुंह पर ताला लगा हुआ है। यहां तक कि कांग्रेस को जिताने के लिये चुनावी दौरे पर बिहार गए राहुल गांधी इस मसले पर चुप्पी साधे रहे, यही हाल सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भी है जिन्होंने गत दिनों एक कथावाचक के साथ अभद्रता के मामले को ब्राह्मण-यादव के बीच की लड़ाई बना दिया था। इसी तरह से यूपी के बलरामपुर में एक मौलाना के धर्मांतरण के घिनौने खेल, जिसमें हिन्दू युवतियों को लव जिहाद में फंसाया जा रहा था के बारे में अखिलेश सहित तमाम गैर बीजेपी दलों की चुप्पी घातक लगती है।

कभी-कभी किसी गंभीर मुद्दे पर राजनैतिक दलों की चुप्पी इतनी गहरी होती है कि वह अपने आप में एक बयान बन जाती है। उदाहरण के लिए, जब देश में कोई बड़ा घोटाला सामने आता है, या कोई सामाजिक मुद्दा जैसे जातिगत हिंसा, धार्मिक तनाव या आर्थिक असमानता उभरता है, तो कुछ दल और उनके नेता ऐसी खामोशी ओढ़ लेते हैं, मानो उन्हें कुछ पता ही न हो। यह चुप्पी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति होती है। वे जानते हैं कि कुछ मुद्दों पर बोलना उनके वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है। मिसाल के तौर पर, जब किसी संवेदनशील धार्मिक मुद्दे पर देश में तनाव बढ़ता है, तो कई नेता चुप रहना पसंद करते हैं, क्योंकि उनकी एक टिप्पणी उनके समर्थकों को नाराज कर सकती है या विरोधियों को हमला करने का मौका दे सकती है। यह चुप्पी उनकी सियासत का एक हिस्सा है, जो न बोलकर भी बहुत कुछ कह जाती है।

वहीं, दूसरी ओर, कुछ मुद्दों पर राजनैतिक दल और नेता इतना हंगामा खड़ा कर देते हैं कि वह मुद्दा असल में जितना बड़ा है, उससे कहीं ज्यादा विशाल दिखने लगता है। छोटी-सी घटना को तूल देना, सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाना, और सड़कों पर प्रदर्शन करना—यह सब उनकी रणनीति का हिस्सा होता है। उदाहरण के तौर पर, उत्तर प्रदेश की सियासत में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान देखा गया कि कैसे कुछ दलों ने छोटे-छोटे मुद्दों को लेकर बड़े-बड़े प्रदर्शन किए। एक नेता के बयान को तोड़-मरोड़कर उसे जातिगत या धार्मिक रंग दे दिया गया, और फिर उस पर हफ्तों तक बहस चली। यह हंगामा इसलिए नहीं था कि मुद्दा वाकई इतना गंभीर था, बल्कि इसलिए कि वह दल उस समय जनता का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहता था।

इस चुप्पी और हंगामे की सियासत के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है वोट बैंक की राजनीति। भारत जैसे देश में, जहां जाति, धर्म, और क्षेत्रीयता राजनीति के केंद्र में हैं, राजनैतिक दल हर कदम सोच-समझकर उठाते हैं। अगर कोई मुद्दा उनके कोर वोटरों को नाराज कर सकता है, तो वे उस पर चुप्पी साध लेते हैं। मिसाल के तौर पर, जब किसी राज्य में जातिगत हिंसा की घटना होती है, तो कुछ दल इस पर बोलने से बचते हैं, क्योंकि उनका वोट बैंक उस जाति से जुड़ा हो सकता है। वहीं, अगर कोई मुद्दा उनके विरोधियों को घेरने का मौका देता है, तो वे उस पर इतना शोर मचाते हैं कि जनता का ध्यान मूल मुद्दे से हटकर उनकी सियासत पर चला जाता है।

2024 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसा ही कुछ देखने को मिला। लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को कुछ सीटों पर अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। इसके पीछे कई कारण थे, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे सरकार की विफलता के रूप में प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने ‘पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक’ (पीडीए) के नारे को इतना जोर-शोर से उठाया कि यह जनता के बीच एक बड़ा मुद्दा बन गया। दूसरी ओर, जब राम मंदिर जैसे मुद्दे पर विपक्ष को बोलने का मौका मिला, तो कई नेता चुप्पी साध गए, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनके बयान से हिंदू वोटर नाराज हो जाएं। यह चुप्पी और हंगामे का खेल सियासत का एक पुराना हथियार है, जो आज भी उतना ही प्रभावी है।

इस सियासत का एक और पहलू है मीडिया और सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल। आज के दौर में, जहां हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है, राजनैतिक दल और नेता सोशल मीडिया को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। किसी मुद्दे पर हंगामा खड़ा करना हो, तो एक्स पर ट्रेंड चलाया जाता है, व्हाट्सएप ग्रुप्स में मैसेज वायरल किए जाते हैं, और टीवी चैनलों पर घंटों बहस कराई जाती है। उदाहरण के लिए, जब किसी नेता का कोई पुराना वीडियो या बयान वायरल होता है, तो विपक्षी दल उसे लेकर इतना हंगामा मचाते हैं कि वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। लेकिन जब बात उनके अपने नेताओं के विवादास्पद बयानों पर आती है, तो वही दल चुप्पी साध लेते हैं। यह दोहरा रवैया जनता को भ्रमित करता है, लेकिन सियासत के लिए यह एक आजमाया हुआ नुस्खा है।

राजनैतिक दलों की यह रणनीति केवल जनता को प्रभावित करने तक सीमित नहीं रहती। यह उनके आंतरिक संगठन और नेतृत्व पर भी असर डालती है। कई बार, किसी बड़े मुद्दे पर चुप्पी इसलिए साधी जाती है, क्योंकि दल के अंदर ही उस मुद्दे पर मतभेद होते हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी दल में नए नेतृत्व को लेकर चर्चा होती है, तो कई वरिष्ठ नेता चुप रहते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनकी टिप्पणी से उनके करियर को नुकसान पहुंचे।

ई- वोटिंग ने रच दिया इतिहास

इससे मतदान के प्रतिषत में आषातीत सुधार तो होगा ही, जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था।

प्रमोद भार्गव

देष में मतदान के प्रति अरुचि प्रत्येक चुनाव में देखने में आती रही है। रोगग्रस्त या अन्य लाचारों को तो छोड़िए, उच्च षिक्षित एवं सक्षम कुलीन वर्ग मतदान के प्रति सबसे ज्यादा उदासीन रहता है। वैसे तो निर्वाचन आयोग मतदान का प्रतिषत और सुविधा के मतदान के लिए अनेक प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब बिहार राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय के उपचुनाव में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करके इतिहास रच दिया है। मोबाइल से मतदान की सुविधा उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई, जो मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट देने से मजबूर थे। तमाम मतदाता गांव और राज्य से बाहर होने के कारण मतदान करने से वंचित रह जाते हैं। लेकिन मोबाइल से ई-मतदान की सुविधा के चलते बिहार के इस चुनाव में 80.60 प्रतिशत और उपचुनाव में 58.38 प्रतिशत मतदाताओं ने मोबाइल के जरिए मतदान किया। पहली महिला ई-वोटर विभा कुमारी और पहले पुरुश मतदाता मुन्ना कुमार बने।

राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ दीपक प्रसाद ने मोबाइल से ई-मतदान कराए जाने की प्रेरणा यूरोपीए देष एस्टोनिया से ली। चूंकि अब ई-वोटिंग का सफल प्रयोग हो चुका है, इसलिए भविश्य में इसकी मांग बढ़ेगी। जो गर्भवती महिलाएं, बुर्जुग, विकलांग, असाध्य रोगों से ग्रसित और अपने मतदान स्थल से दूर रहने वाले लोग मतदान से वंचित रह जाते थे, उन्हें लोकतंत्र के इस महायज्ञ में भागीदार बनने की आसान सुविधा मिल जाएगी। इस सुविधा से एक बड़ी समस्या का सामाधान बिना किसी अतिरिक्त खर्च के हो जाएगा। चूंकि मतदान केंद्रों पर विभिन्न दलों का जमावड़ा नहीं होगा, इसलिए निश्पक्ष और षांतिपूर्ण मतदान की संभावना बढ़ जाएगी। इससे मतदान की निजता भी प्रभावित नहीं होगी। इससे मतदान के प्रतिषत में आषातीत सुधार तो होगा ही, जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावनाएं न्यूनतम हो जाएंगी। ई-वोटिंग का काम पूर्वी चंपारण जिले की नगर पंचायत पकड़ी दयाल के अलावा पटना, बक्सर, रोहतास, सारण और बांका में सी-डैक और एसईआर के जरिए किया गया था। अब यह जरूरी लगता है कि जब पैसे के लेनदेन से लेकर अचल संपत्ति के हस्तांतरण के काम ऑनलाइन या डिजिटल प्रणालियों से हो रहे हैं तो फिर ई-मतदान को भी जरूरी बनाया जाए। बिहार के उपचुनाव में मोबाइल एप से ई-वोटिंग की प्रक्रिया प्रमाणित भी हो चुकी है। ई-वोटिंग को इसलिए भी अपनाया जाए, क्योंकि पूर्व से ही हमारे यहां पोस्टल वोटिंग का वैधानिक प्रावधान है। मतदान संपन्न कराने में जुटे कर्मचारी अपना वोट पोस्टल वोटिंग के जरिए ही देते हैं। अब कोई राजनीतिक दल और नेता यह बहाना नहीं बना सकता है कि अभी इंटरनेट या बिजली की सुविधा दुर्गम क्षेत्रों में नहीं है। एक बार बिजली भले ही प्रत्येक ग्राम में न हो, लेकिन सौर ऊर्जा से बिजली और मोबाइल टॉवर गांव-गांव पहुंच गए हैं। इनके जरिए इंटरनेट की सुविधा हासिल कराई जा रही है। सौर जैसी वैकल्पिक ऊर्जा दूर-दराज के ग्रामों में बिजली उपलब्ध करा रही है। फिर भी किसी गांव में बिजली नहीं है तो वहां ईवीएम के जरिए मतदान कराया जाए। ई-वोटिंग को चरणबद्ध रूप में कराए जाने का सिलसिला जल्द से जल्द षुरू होता है तो लोकतंत्र में लोगों की उम्मीद से ज्यादा भागीदारी बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि मोबाइल से ई-वोटिंग को लेकर कुछ नेता अभी से संदेह जताने लगे हैं। उनका कहना है कि मोबाइल एप पर पंजीकरण में कठिनाई आएगी। गांव के प्रभावी लोग दबाव बनाकर पक्षपातपूर्ण एवं फर्जी मतदान करा सकते है। भारत में फर्जी और दबाव से मतदान की अपवाद स्वरूप घटनाएं आज भी देखने में आ जाती हैं। ईवीएम से मतदान पर आज भी विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं। लेकिन ईवीएम की साख पर ठोस प्रमाण कोई दल या इंजीनियर आज तक नहीं दे पाया है। ई-वोटिंग पूरे देष के लिए अपना ली जाती है तो चुनाव खर्च में तो कमी आएगी ही, तकनीक की सार्थकता भी पेष आएगी। घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए ई-वोटिंग की जरूरत इसलिए है, क्योंकि बड़ी संख्या में देष के मतदाता मजदूरी, पढ़ाई-लिखाई, नौकरी और अन्य काम-धंधों के लिए मूल निवास स्थल छोड़ जाते हैं। इसलिए वे चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाते। आयोग का कहना है कि 2019 के आम चुनाव में करीब 30 करोड़ यानी 67.4 प्रतिषत लोग इन्हीं कारणों के चलते अपने मत का उपयोग नहीं कर पाए थे।

अमेरिकी कृषि उत्पाद बेचने से बचे भारत

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से बातचीत में इन मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता में शामिल करने की बात कही है। किंतु भारत के लिए कृषि में बाहरी दखल एक संवेदनशील मसला है, क्योंकि हमारे किसान विदेशी पूंजीपतियों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं।

भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले व्यापार समझौता होना हैं। यदि भारत अमेरिका की षर्तें नहीं माना है तो 9 जुलाई से टैरिफ यानी अंतरराश्ट्रीय व्यापार में लगाया जाने वाला कर 10 से बढ़ाकर 26 प्रतिशत हो जाएगा। भारत चाहता है कि जल्द अंतरिम व्यापार समझौता हो जाए। लेकिन अमेरिका अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए चाहता है कि भारत में उसे कृशि और डेयरी उत्पाद बचने की अनुमति दी जाए। चीन ने अमेरिकी उत्पात खरीदने से मना कर दिया है। भारत राश्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव के बावजूद अमेरिका के लिए कृशि उत्पाद का बाजार खोलने के पक्ष में नहीं है। दरअसल भारत की 70 करोड़ से भी अधिक आबादी कृशि, दूध और मछली व अन्य समुद्री उत्पादन पर आश्रित है। इन उत्पादों से जुड़े लोग आत्मनिर्भर रहते हुए अपनी आजीविका चलाते हैं। हालांकि भारत सरकार इनकी आर्थिक स्थिति को ओर मजबूत बनाए रखने की दृश्टि से मुफ्त अनाज, खाद्य सब्सिडी और किसानों को छह हजार रुपए प्रतिवर्श अनुदान के रूप में देती है।

भारत की 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृशि और उससे जुड़े उत्पाद हैं। अब अमेरिका इस परिप्रेक्ष्य में भारत पर व्यापक दबाव बनाकर द्विपक्षीय बातचीत करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका चाहता है कृशि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तो खुले ही उत्पादों पर शुल्क भी कम करे। यदि भारत कोई समझौता करता है तो ब्रिटेन और यूरोपीय संघ भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दबाव बनाएंगे। यूरोपीय संघ चीज व अन्य दुग्ध उत्पादों पर शुल्क कटौती की इच्छा जता चुका है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से बातचीत में इन मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता में शामिल करने की बात कही है। किंतु भारत के लिए कृषि में बाहरी दखल एक संवेदनशील मसला है, क्योंकि हमारे किसान विदेशी पूंजीपतियों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं।

भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक सांस्कृतिक तरीका भी है। इसीलिए भारत के जितने भी पर्व हैं, उनका पंचांग कृषि पद्धति पर ही आधारित है। जबकि अमेरिका व यूरोपीय देश कृषि को मुनाफे का उद्योग मानते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में अमेरिका का कृशि निर्यात 176 अरब डॉलर था, जो उसके कुल व्यापारिक निर्यात का लगभग 10 प्रतिशत हैं। बड़े पैमाने पर मशीनीकृत खेती और भारी सरकारी सब्सिडी के साथ अमेरिका और अन्य विकसित देश भारत को अपने निर्यात का विस्तार करने के लिए आकर्शक बाजार के रूप में देखते हैं। जबकि भारत अपने कृशि क्षेत्र को मध्यम से उच्च षुल्क की कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा संरक्षित किए हुए है ताकि अपने किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सके। कृषि क्षेत्र को मुक्त बाजार बनाने का मतलब है कि आयात प्रतिबंधों और शुल्कों को कम करना। कृषि को बाहरी सब्सिडी वाले विदेशी आयातों के लिए खोलने का अर्थ होगा, सस्ते खाद्य उत्पादों का भारत में आना, यह खुलापन भारतीय किसानों की आय और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी।

ऐसा ही दबाव भारत पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने जेनेवा में 2022 में हुई बैठक में बनाया था। यहां तक कि अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों ने भारतीय किसानों को दी जाने वाली कृशि अनुवृत्ति (सब्सिडी) का जबरदस्त विरोध किया था। ये देश चाहते हैं कि किसानों को जो सालाना छह हजार रुपए की आर्थिक मदद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदनें की सुविधा दी जा रही है, भारत उसे तत्काल बंद करे। यही नहीं राश्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देशभर के 81 करोड़ लोगों को जो मुफ्त अनाज दिया जा रहा है उस पर भी आपत्ति जताई थी। देश की करीब 67 फीसदी आबादी को मुफ्त अनाज मिलता है।

लॉर्ड्स के म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग

18 साल पुरानी फोटो से बनी है, अगले साल यहां से हटकर लॉर्ड्स के पवेलियन में लगेगी

लंदन, एजेंसी। लॉर्ड्स के फेमस मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (MCC) म्यूजियम में क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की एक खास पेंटिंग का उद्घाटन किया गया। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले यह इवेंट हुआ। यह पेंटिंग आर्टिस्ट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने बनाई है, जो एक फोटो के आधार पर तैयार की गई है। यह फोटो उन्होंने सचिन के घर पर करीब 18 साल पहले ली थी। यह पेंटिंग इस साल के अंत तक MCC म्यूजियम में रहेगी, इसके बाद इसे लॉर्ड्स के ऐतिहासिक पवेलियन में लगाया जाएगा।

यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है: तेंदुलकर तेंदुलकर ने इस अवसर पर कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। 1983 में जब भारत ने वर्ल्ड कप जीता था, तब मैंने पहली बार लॉर्ड्स को देखा था। मैंने हमारे कप्तान कपिल देव को ट्रॉफी उठाते देखा था, और वहीं से मेरी क्रिकेट यात्रा शुरू हुई थी। आज जब मेरी पेंटिंग लॉर्ड्स के पवेलियन में लगी है, तो लगता है कि मेरी यात्रा अब पूरी हो गई है।

अपने करियर को याद करता हूं तो चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। यह पल बेहद खास है।

इस पेंटिंग की खास बात यह है कि यह फुल-लेंथ नहीं है, जैसा कि पहले की पेंटिंग्स थीं, बल्कि यह सचिन के सिर्फ सिर और कंधों पर बनी हैं।

मैंने नए तरीके से बनाया: राइट कलाकार स्टुअर्ट राइट ने कहा, MCC नहीं चाहता था कि यह पेंटिंग भी पहले जैसी हो, इसलिए मैंने एक नया तरीका अपनाया। मैंने सचिन के चेहरे पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्हें हीरो की तरह दिखाने के लिए पेंटिंग को बड़ा आकार दिया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने हमेशा बैकग्राउंड को साधारण रखा है ताकि ध्यान सिर्फ व्यक्ति पर बना रहे।

यह पेंटिंग सचिन तेंदुलकर के लंबे और गौरवशाली करियर के लिए हैं। घिसे हुए एल्यूमीनियम से बनाया गया पेंटिंग रिलीज में बताया गया कि जैसे-जैसे पेंटिंग पर काम आगे बढ़ा, कलाकार ने इसमें बदलाव किए और आखिर में यह अब्रेसिव एल्युमिनियम (घिसे हुए एल्यूमिनियम) पर तेल चित्र के रूप में तैयार हुई। इसका बैकग्राउंड ऐब्स्ट्रैक्ट है, जो सचिन की पुरानी बैटिंग को दर्शाता है। राइट इससे पहले कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और दिलिप वेंगसरकर की भी पेंटिंग बना चुके हैं।

आईपीएल टिकट घोटाला- हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगनमोहन गिरफ्तार

SRH को ब्लैकमेल करने का आरोप; BCCI के नियम से 10% फ्री पास मिलते हैं

हैदराबाद, एजेंसी। IPL 2025 टिकट घोटाले में हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) के प्रेजिडेंट ए. जगन मोहन राव को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को तेलंगाना अपराध जांच विभाग ने उनके साथ चार सीनियर अधिकारी भी हिरासत में लिए गए हैं। गिरफ्तार किए गए अन्य अधिकारी, HCA के कोषाध्यक्ष सी. श्रीनिवास राव, CEO सुनील कांते, महासचिव राजेंद्र यादव और राव की पत्नी जी. कविता हैं। इन सभी पर सनराइजर्स हैदराबाद को टिकट के लिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगा है। BCCI के नियम मुताबिक किसी भी टीम के होम स्टेट स्टेडियम को स्टेडियम की क्षमता का 10% पास फ्री मिलता है।

कब शुरू हुआ मामला? तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन (TCA) के महासचिव धर्म गुरव रेड्डी ने 9 जून को शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें

HCA के ऊपर जालसाजी, हेराफेरी और दबाव डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। शिकायत के आधार पर CID ने IPC की कई धाराओं में केस दर्ज किया है, जिनमें 465 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी), 471 (नकली दस्तावेज का असली की तरह इस्तेमाल), 403 (धोखाधड़ी से संपत्ति रखना), 409 (विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) शामिल हैं। आरोप है कि राव ने चुनाव में हिस्सा लेने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा किए थे।

SRH से टिकट के लिए दबाव HCA पर आरोप है कि उन्होंने IPL फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) से तय सीमा से ज्यादा मुफ्त पास मांगे। SRH, HCA और BCCI के बीच हुए समझौते के अनुसार, HCA को सिर्फ 3,900 फ्री टिकट (स्टेडियम की क्षमता का 10%) मिलने चाहिए। लेकिन HCA अधिकारियों ने 10% अतिरिक्त टिकट की मांग की, जिसे SRH ने मना कर दिया।

कॉरपोरेट बॉक्स लॉक कर टिकट मांगे

SRH ने यह भी आरोप लगाया कि 27 मार्च को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच से कुछ घंटे पहले HCA अध्यक्ष ने एक कॉरपोरेट बॉक्स लॉक कर दिया और 20 अतिरिक्त टिकटों की मांग की। यह समझौते का उल्लंघन था।

SRH ने दी थी राज्य बदलने की चेतावनी

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि SRH ने IPL गवर्निंग काउंसिल और BCCI से शिकायत की और कहा कि अगर दबाव की रणनीति बंद नहीं हुई तो वे अपने घरेलू मैच दूसरे राज्य में कर सकते हैं। अब भी 3,900 टिकट ही मिलेंगे तनाव कम करने के लिए HCA के सचिव आर. देवराज ने स्त्र्ञ टीम मैनेजर के साथ बैठक की। इसमें तय हुआ कि HCA को 3,900 फ्री पास ही मिलेंगे, जैसा पहले से होता आया है। SRH और HCA ने संयुक्त बयान में कहा कि अब वे मिलकर प्रोफेशनल तरीके से काम करेंगे ताकि दर्शकों को अच्छा अनुभव मिल सके।

PSG फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में: रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया

पेरिस सेंट जर्मेन (PSG) FIFA क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में पहुंच गई है। सेमीफाइनल में PSG ने स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में फैबियन रूईज ने छठे और 24वें मिनट में दो गोल किए, जबकि उस्मान डेम्बेले और गोंसालो रामोस ने भी 1-1 गोल किए। लुइस एनरिके की टीम ने पूरे मैच में एकतरफा दबदबा दिखाया और शुरुआत से ही आक्रामक खेल अपनाया।

फाइनल में PSG का सामना चेल्सी से अब PSG 13 जुलाई को फाइनल में इंग्लिश क्लब चेल्सी से भिड़ेगी, जिसने पहले सेमीफाइनल में ब्राजीलियन क्लब फ्लुमिनेंस को 2-0 से हराया। यह मुकाबला न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। PSG इससे पहले लीग 1, कप डे फ्रांस और UEFA चैंपियंस लीग जीत चुकी है, और अब क्लब वर्ल्ड कप खिताब जीतकर सीजन को यादगार बनाने के इरादे से उतरेगी।

PSG ट्रेबल जीतने वाली पहली फ्रेंच टीम PSG ने इस सीजन चैंपियंस लीग खिताब के साथ ट्रेबल भी जीता था। टीम ने इस सीजन चैंपियंस लीग के अलावा लीग 1 और फ्रेंच कप जीता है। जो टीमें एक सीजन में अपनी लीग, कप और चैंपियंस लीग मिलाकर तीन मेजर ट्रॉफी जीतती हैं उससे ट्रेबल कहते हैं। FIFA क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत 2000 में हुई FIFA क्लब वर्ल्ड कप एक इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसे FIFA आयोजित करता है। इसमें दुनियाभर की बड़ी क्लब फुटबॉल टीमें हिस्सा लेती हैं। यह हर साल आयोजित होता है। इसका उद्देश्य यह तय करना होता है कि दुनिया की सबसे बेहतरीन क्लब टीम कौन सी है। FIFA क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत 2000 में हुई थी।

फीफा रैंकिंग में भारतीय फुटबॉल टीम 6 स्थान फिसली,133वें स्थान में पहुंची

– 9 सालों में सबसे खराब रैंकिंग –

भारतीय मेंस फुटबॉल टीम को इंटरनेशनल फेडरेशन फुटबॉल एसोसिएशन (FIFA) की रैंकिंग में 6 स्थान का नुकसान हुआ है। टीम अब 133वें स्थान पर पहुंच गई है, जो पिछले 9 सालों में सबसे खराब रैंकिंग है। जून में मिली दो हार ने किया नुकसान भारत को 4 जून को थाईलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली में 0-2 से हार मिली थी। इसके बाद एशियन कप क्वालिफायर में लोअर रैंक टीम हांगकांग ने भारत को 1-0 से हरा दिया। इन खराब प्रदर्शन के चलते कोच मैनोलो मार्केज ने AIFF (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) से नाराज चल रहे हैं। उन्होंने एक हफ्ते पहले ही टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया। 2016 के बाद सबसे खराब रैंकिंग इससे पहले भारत की सबसे खराब रैंकिंग दिसंबर 2016 में 135 थी। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है, जो फरवरी 1996 में मिली थी।

एशिया में 24वां स्थान भारत के अब 1113.22 अंक हैं, जो पहले 1132.03 थे। एशिया के 46 देशों में भारत 24वें स्थान पर है। एशियाई देशों में जापान (17वां स्थान) टॉप पर है। एशियन कप 2027 क्वालिफाई करना मुश्किल हांगकांग से हार के बाद भारत की 2027 एशियन कप में क्वालिफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। कोच मार्केज के अंडर टीम ने आखिरी 8 में सिर्फ 1 मैच मार्च में मालदीव के खिलाफ जीता।

भारतीय विमेंस टीम पहली बार इंग्लैंड में टी-20 सीरीज जीती: चौथा मुकाबला 6 विकेट से जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड की सरजमीं पर टी-20 सीरीज जीत ली है। टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड विमेंस टीम को 6 विकेट से हरा दिया है। टीम पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे है। 15 रन देकर 2 विकेट लेने वाली राधा यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, दीप्ति शर्मा ने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। पांचवां और आखिरी टी-20 12 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा। उसके बाद तीन मैचों की ODI सीरीज खेली जाएगी।

स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए इंग्लैंड ने बुधवार को खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 126 बनाए। सोफिया डंकली ने सबसे ज्यादा 22 रन की पारी खेली। भारत के लिए राधा यादव और श्री चारणी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में स्मृति मंधाना (32) और शेफाली वर्मा (31) की पारियों के दम पर भारतीय टीम ने 17 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली।

दीप्ति ने पूरे किए 300 इंटरनेशनल विकेट दीप्ति शर्मा ने विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की। साथ ही दीप्ति अब विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने 128 मैचों में 145 विकेट अपने नाम किए हैं। दीप्ति से आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट्ट हैं, जिनके नाम 151 विकेट हैं।

भारत सीरीज में 3-1 से आगे भारत ने पहला मुकाबला 97 रन से जीता था। यह इंग्लैंड के खिलाफ विमेंस टीम की टी-20 में अब तक की सबसे बड़ी जीत थी। दूसरे मैच में इंग्लैंड को 24 रन से हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड ने तीसरा मुकाबला 5 रन से जीता था।

व्यापार

टीसीएस शेयरधारकों को हर शेयर पर 11 रूपए डिविडेंड देगी

वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में कंपनी को 12,760 करोड़ रूपए का मुनाफा, कमाई 2.4% बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 12,760 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 5.98% की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 12,040 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने संचालन से 63,437 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर यह 1.31% कम है। अप्रैल-जून 2024 में कंपनी ने 62,613 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं

और सेवाओं के बेचने से मिलने वाली राशि को राजस्व या रेवेन्यू कहा जाता है। इसमें टैक्स शामिल नहीं होता है। कंपनी ने 10 जून को अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी किए।

11 रुपए प्रति शेयर लाभांश देगी TCS

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर पर 11 रुपए का लाभांश यानी डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा शेयर होल्डर्स को भी देती हैं, इसे ही लाभांश कहा जाता है।

कंपनी में नौकरी छोड़ने वाले बढ़े

नतीजों में TCS ने बताया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी में एट्रिशन रेट 0.5% बढ़कर 13.8% हो गया है। पिछले साल यह 13.3% था। एट्रिशन रेट वो परसेंटेज है जो बताता है कि कितने लोग कंपनी छोड़कर जा रहे हैं। नौकरी छोड़ने के मामले में भले ही बढ़ोतरी हुई हो लेकिन इस दौरान कंपनी ने 5000 नई नौकरियां भी दी हैं। पिछली तिमाही में TCS में 607,979 कर्मचारी थे जो अब 613,069 हो गए हैं।

'एक्स' की सीईओ लिंडा याकारिनो ने पद से इस्तीफा दिया

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिंडा याकारिनो ने अपने पद से हटने की बुधवार को घोषणा की। याकारिनो ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में सीईओ पद से हटने की जानकारी दी। वह दो साल तक इस पद पर रही हैं। उन्होंने कहा, ''अभी सबसे अच्छा आना बाकी है क्योंकि एक्स, चैटबॉट ग्रोक बनाने वाली कृत्रिम मेधा कंपनी एक्सएआई के साथ एक नया अध्याय शुरू कर रही है।'' मस्क ने अनुभवी विज्ञापन कार्यकारी याकारिनो को मई, 2023 में इस सोशल मीडिया कंपनी का सीईओ नियुक्त किया था। उन्होंने वर्ष 2022 के अंत में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया गया था। मस्क ने उस समय कहा था कि याकारिनो की भूमिका मुख्य रूप से कंपनी के व्यावसायिक संचालन पर केंद्रित होगी, जिससे वह खुद उत्पाद डिजाइन और नईप्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी की शिक्षा ऋण वृद्धि चालू वित्त वर्ष में आधी रह जाने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में नीतिगत अनिश्चितता और वीजा नियमों में सख्ती के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए शिक्षा ऋण की वृद्धि घटकर आधी रह जाएगी। क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को यह आशंका जताई। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि शिक्षा ऋण की वृद्धि दर चालू वित्त वर्षमें नरम पड़कर 25 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है। पिछले दो वित्त वर्षों में इस खंड की वृद्धि दर लगभग 50 प्रतिशत रही है।

घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की निदेशक मालविका भोटिका ने कहा कि अमेरिका में वीजा आवंटन में कमी और वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण मानदंडों को समाप्त करने के प्रस्ताव जैसे कारकों ने नए ऋण स्रोतों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से पिछले वित्त वर्ष में अमेरिकी क्षेत्र में कुल ऋण वितरण में 30 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। दूसरे सबसे बड़े बाजार कनाडा से जुड़े ऋण वितरण में भी गिरावट देखी गई है। छात्रों को वीजा देने के सख्त नियमों के तहत वित्तीय प्रावधानों में वृद्धि और परमिट सीमाएं लागू की गई हैं।

इन कारणों से पिछले वित्त वर्ष में कुल शिक्षा ऋण वितरण केवल आठ प्रतिशत बढ़ा, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 50 प्रतिशत से काफी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन चुनौतियों को देखते हुए एनबीएफसी ने अपनी रणनीति बदली है और ब्रिटेन, जर्मनी, आयरलैंड जैसे वैकल्पिक गंतव्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इन देशों की हिस्सेदारी कुल ऋण वितरण में बढ़कर 2024-25 में लगभग 50 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले 25 प्रतिशत थी। इन परिस्थितियों में कुल शिक्षा ऋण पोर्टफोलियो में अमेरिका की हिस्सेदारी मार्च, 2024 के 53 प्रतिशत से घटकर मार्च, 2025 तक 50 प्रतिशत रह गई। आगे चलकर इसमें और भी गिरावट आने का अनुमान है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि घरेलू गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अब घरेलू छात्र ऋणों और स्कूल फंडिंग, कौशल विकास और कोचिंग के लिए कर्ज जैसे क्षेत्रों पर भी विचार कर रही हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में खनिज सहयोग की संभावनाएं तलाशीं

जापानी दूतावास के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित कंपनी लोहम क्लीनटेक के परिसर का दौरा कर खनिज क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशी हैं। यह कंपनी भारत की सबसे बड़ी लीथियम-आयन बैटरी रिसाइक्लिंग और क्रिटिकल मैटेरियल प्रोसेसिंग यूनिट का संचालन करती है। कंपनी की तरफ से बुधवार को जारी बयान के मुताबिक, 74-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कंपनी परिसर का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में जापान के आर्थिक, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग बैंक और वित्त मंत्रालय के अधिकारी शामिल थे।

अब बिना आधार नहीं मिलेगा कौशल विकास योजना का फायदा, दिव्यांगजनों के लिए सरकार ने बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने दिव्यांगजनों के कौशल विकास हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के लाभार्थियों के लिए योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु अपना आधार नंबर देना या आवेदन करने का प्रमाण देना अनिवार्य कर दिया है। साथ ही, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि आधार न होने या प्रमाणीकरण में विफलता के कारण किसी भी पात्र बच्चे को लाभ से वंचित नहीं किया जाएगा। एक राजपत्र अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा कि योजना के तहत नकद लाभ प्राप्त करने के लिए आधार प्रमाणीकरण आवश्यक है, जिसमें परिवहन भत्ता, भोजन और आवास, परिवहन और नियुक्ति के बाद सहायता शामिल है।

दिव्यांगजनों के कौशल विकास हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी-एसडीपी) दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) द्वारा मार्च 2015 में शुरू की गई एक केंद्रीय योजना है। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के कौशल को निखारने के लिए उच्च-गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे सार्थक रोज़गार प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। यह योजना व्यापक दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु योजना (एसआईपीडीए) का एक हिस्सा है।

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी पात्र व्यक्ति के पास आधार संख्या नहीं है, तो उसे नामांकन के लिए आवेदन करना होगा। बच्चों के लिए, ऐसा आवेदन माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति से किया जाना चाहिए। जब तक आधार कार्ड नहीं बन जाता, लाभार्थी जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल रिकॉर्ड या कानूनी गोद लेने या संरक्षकता के कागजात सहित निर्दिष्ट वैकल्पिक दस्तावेजों का उपयोग करके अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं।

एशियन पेंट्स ने एक्जो नोबेल में अपनी पूरी हिस्सेदारी 734 करोड़ रुपये में बेची

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंट्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एशियन पेंट्स ने ड्यूलक्स पेंट बनाने वाली एक्जो नोबेल इंडिया में अपनी पूरी 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार के लेनदेन के माध्यम से 734 करोड़ रुपये में बेच दी। इस तरह एशियन पेंट्स अब एक्जो नोबेल से पूरी तरह बाहर निकल गई है। एशियन पेंट्स ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने ÷एक्जो नोबेल इंडिया लिमिटेड में अपने सभी 20,10,626 इक्विटी शेयर बेच दिए हैं, जो उसकी चुकता शेयर पूंजी का 4.42 प्रतिशत है।÷ कंपनी ने बताया कि यह बिक्री थोक सौदा प्रणाली के माध्यम से 3,651 रुपये प्रति शेयर की

दर से की गई। पिछले महीने सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने नीदरलैंड की पेंट विनिर्माता एक्जो नोबेल की भारतीय इकाई का 12,915 करोड़ रुपये के सौदे में अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू देश में पेंट उद्योग में चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। जेएसडब्ल्यू पेंट्स 8,986 करोड़ रुपये में एक्जो नोबेल इंडिया में 74.76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी और खुले बाजार से 3,929.06 करोड़ रुपये तक में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश लाएगी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एशियन पेंट्स ने गुरुग्राम स्थित एक्जो नोबेल इंडिया में 20,10,626 शेयर बेचे, जो 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों का निपटान औसतन 3,651 रुपये प्रति शेयर की दर से किया गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 734.08 करोड़ रुपये हो गया।

बड़ी दक्षिणा देने और बड़ा संकल्प लेने वाला पर्व गुरुपूर्णिमा महोत्सव : गायत्री परिवार

– मातृ जन्म शताब्दी वर्ष 2026 की रूपरेखा हरिद्वार में तय हुई 20 से 23 जनवरी में होंगे राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 09 एवं 10 जुलाई को अखण्ड जप, दीपयज्ञ एवं पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ सहित विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि 09 जुलाई को प्रात 06 बजे से शाम 06 बजे तक अखण्ड जप एवं रात्रि 07 बजे दीपयज्ञ हुआ तथा 10 जुलाई गुरू पूर्णिमा को प्रातरू 8.30 बजे से श्रीवेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरूदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी, वंदनीया माता भगवतीदेवी शर्मा एवं देवोहवान व देवपूजन कर पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ हुआ साथ ही दीक्षा, यज्ञोपवित, नामकरण, विद्यारंभ, पुंसवन सहित विभिन्न संस्कार निरूशुल्क सम्पन्न हुए । अपरान्ह 12 रू 30 बजे गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति पश्चात आरती सम्पन्न हुई । गायत्री महायज्ञ की आरती में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव भी शामिल हुए एवं गुरु पूर्णिमा पर्व पर गायत्री परिवार के आचार्यों का शॉल, श्रीफल से सम्मान किया । गायत्री शक्तिपीठ की ओर से भी रायसिंह सेंधव, मनीष सेन एवं उनके साथियों का उपवस्त्र ओढ़ाकर स्वागतकर सम्मान किया गया । अपरान्ह 01 बजे अपनों से अपनी बात में वृक्ष गंगा अभियान पर विशेष चर्चा हुई जिसमें जिला युवा समन्वयक प्रमोद निहाले ने वृक्षारोपण पर विशेष बात रखी और इस अभियान पर विशेष सहयोग की बात कही और कहा कि मातृ जन्म शताब्दी वर्ष 2026 बहुत नजदीक है प्रत्येक

कार्यकर्ता एवं शिष्य को सच्ची श्रद्धांजलि अपनी गुरुमाता को देने का श्रेष्ठ अवसर है मातृ जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 20 से 23 जनवरी 2026 में व्यापक स्तर पर हरिद्वार में कार्यकर्ता सम्मेलन होने जा रहा है, जिसमें हर शिष्य को समयदान हेतु अपने घरों से निकलना होगा और युग निर्माण योजना में अपनी महती भूमिका निभानी होगी । श्री निहाले ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर्व शिष्य के लिए गुरू का सबसे अनमोल दिवस व संकल्प पर्व है, इस दिन शिष्य को बड़ा संकल्प लेकर बड़ी गुरु दक्षिणा देना चाहिए एवं गुरुदेव के बताए हुए मार्ग पर चलकर उनका लाभ उठाना चाहिए । गुरू पूर्णिमा पर्व पर श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा से सहयोग राशि देकर शक्तिपीठ से पौधें प्राप्त किए । आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2024 में प्रांतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 5 वीं की छात्रा संध्या राकेश कुमावत को 1500 नगद व गुरुदेव का सतसाहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर आनन्दम नेत्रालय द्वारा निरूशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 से अधिक परिजनों ने अपनी आंखों की जांच कराई जिसमें नेत्रालय से मार्केटिंग मैनेजर राहुल शर्मा, डॉ. ऋतिक शुक्ला व साहिल वर्मा ने पूर्ण मनोवेग व कुशलता से आंखों की जांच की । गायत्री महायज्ञ के अंत में महाप्रसाद (भंडारे) का उपस्थित परिजनों ने लाभ लिया । कार्यक्रम में भारतसिंह बनाफर, कन्हैयालाल मोहरी, जगदीश चौहान, सुभाष जैन, हीरालाल निहाले, सरिता पाटीदार, विजय जाधव, मंजू पटेल, विक्रमसिंह राजपूत, गोपाल श्रीवास्तव, सुरेन्द्र दुबे, विक्रमसिंह ठाकुर, देवकरण कुमावत, लक्ष्मण पटेल आदि का सराहनीय सहयोग रहा । कार्यक्रम में रमेशचन्द्र मोदी, गणेशचंद्र व्यास, उषा कुमावत, कामना पटेल, श्रद्धा निहाले, मुनीश नामदेव, राधा पटेल, धर्मेन्द्र पंवार, सतीश यादव सहित सैंकड़ों परिजन एवं श्रद्धालु उपस्थित थे । गायत्री शक्तिपीठ पर यज्ञ कर्मकांड का संचालन परिव्राजक रामनिवास कुशवाह एवं वरिष्ठ परिजन कैलाशसिंह ठाकुर सहित शक्तिपीठ की देवकन्याओं ने संगीतमय किया एवं दीक्षा, पुंसवन, विद्यारंभ सहित अन्य संस्कार देवीशंकर तिवारी एवं रमेश नागर ने विधिवत सम्पन्न कराए । आभार मुख्य प्रबंध ट्रस्टी महेश पंड्या ने माना । वहीं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ पूज्य गुरुदेव, वंदनीय माताजी एवं मां गायत्री जी की पूजा अर्चना कर गुरु पर्व मनाया गया । इस अवसर पर गायत्री प्रज्ञापीठ संरक्षिका दुर्गा दीदी द्वारा गुरु पूर्णिमा के पर्व पर विस्तृत से गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए 18 परिजनों को गुरु दीक्षा दी तथा सभी उपस्थित परिजनों को गुरुदेव के पद चिन्हों पर चलने का आव्हान किया । इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित परिजनों ने महाप्रसादी (भंडारे) का लाभ लिया । प्रज्ञापीठ के मुख्य ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल की माताजी की द्वितीय पुण्य तिथि होने से मंदिर के सामने स्थित श्रीराम हर्बल गार्डन में पौधारोपण भी किया गया । इस अवसर पर ओ. पी. श्रीवास्तव, शेषनारायण परमार, ब्रजमोहन विजयवर्गीय, विजेन्द्रसिंह बेस, अरुणेंद्र सोनी, रामगोपाल गुप्ता, प्रदीप दुबे, भारतसिंह झाला, नीति श्रीवास्तव, सुशीला परमार, स्नेहलता पोरवाल, वंदना पाटीदार, राधा राठौर, सीमा चौहान, रानी व्यास, अंजू गुप्ता, चंचल यादव, मंजुला सोनी आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन ज्ञानदेव बोड़खे, सुधाकर चौधरी, गौरव वर्डे एवं प्रखर पोरवाल ने किया तथा आभार मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल ने माना।

एबीव्हीपी अनूपपुर नगर इकाई द्वारा अपर कलेक्टर दिलीप पांडे की उपस्थिति किया गया मेधावी छात्रों का प्रतिभा सम्मान समारोह

अनूपपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा अपनी स्थापना दिवस 09 जुलाई राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में अनूपपुर शहर के सभी प्रमुख विद्यालय एवं महाविद्यालय के प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया, जिसमें मुख्य रूप से अनूपपुर जिले के जिले अपर कलेक्टर दिलीप विद्यार्थी परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष शिवकुमार मिश्र, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस के प्राचार्य अनिल कुमार सक्सेना, जिले के विस्तारक शिवेंद्र चतुर्वेदी, बहन सिमरन सेन, नगर मंत्री नगर अध्यक्ष के उपस्थिति में किया गया।

अपर कलेक्टर का कहना है कि भारत देश युवाओं का देश है और आज का छात्र आज का युवा भी है,इसलिए आज का छात्र कल के भारत भविष्य है । प्रान्त उपाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार मिश्रा का कहना है कि विद्यार्थी परिषद एक मात्र ऐसा छात्र संगठन में जो छात्रहित समाजहित व राष्ट्रीय हित मे काम करता है, साथ ही साथ समाज की प्रत्येक गतिविधियों में 365 दिन लगातार काम करता है । समाज के प्रत्येक क्षेत्र में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण भाव से समाज कल्याण के लिए लगे रहते हैं।

जिले के विस्तारक शिवेंद्र चतुर्वेदी का कहना है कि विद्यार्थी परिषद एक व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है जिसमें छात्र के सर्वांगीण विकास होता है,विद्यार्थी परिषद व्यक्ति के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण भी करता है ,इसलिए आज का छात्र समुदाय व युवा समुदाय को विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर समाज व राष्ट्र में अपनी

भूमिका अदा करना चाहिए और राष्ट्र को पुनः श्रेष्ठ ,समृद्ध व सशक्त बनाने में अपनी सहभागिता देनी चाहिए।

तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार सक्सेना ने बच्चों के भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं छात्रों को समाज के प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना चाहिए और राष्ट्र हित की ओर अग्रसर होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में अनूपपुर नगर के सभी विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अनूपपुर नगर इकाई की घोषणा भी की गई जिसमें नगर अध्यक्ष के रूप में दुर्गेश द्विवेदी वह नगर मंत्री अभिषेक तिवारी बने। सहमंत्री के रूप में हर्षवर्धन सिंह, राजा बैरागी, दीपक तिवारी,अंकित सोनी महाविद्यालय प्रमुख अमन सिंह, सहप्रमुख अजय केवट, विद्यालय प्रमुख देवराज सिंह, सह सौरभ कुशवाहा, sfs प्रमुख आदित्य द्विवेदी, सहप्रमुख संदीप कुशवाह, sfd प्रमुख आदित्य उपाध्याय सहप्रमुख विवेक मिश्रा, खेलो भारत संयोजक शिवम चतुर्वेदी, सह संयोजक साक्षी पाठक, राष्ट्रीय कलामंच प्रमुख पूनम पटेल, साक्षी महोबिया, स्टडी सर्किल प्रमुख कविराज, आनंद शर्मा, NCC प्रमुख महावीर राठौड़, अनिरुद्ध शुक्ला NSS प्रमुख सचिन रौतेल, रोहन, मेडिविजन प्रमुख पूजा सिंह, छात्रावास प्रमुख सतीश महोबिया, लोचन प्रजापति एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विनीत मिश्रा, अमन कुशवाहा, हितेश सिंह, शिव शुक्ला, लक्ष्य सिंह, श्लोक पांडे एवं आदि कई कार्यकर्ता बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

श्री नारायण विद्या मंदिर क्रमांक एक में गुरु शिष्य परंपरा का महत्व बताते हुए पौधा रोपण कर मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। स्थानीय श्री नारायण विद्या मंदिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक

विद्यालय क्रमांक एक देवास में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। गुरु न केवल जीवन की दशा और दिशा का निर्धारण करता है ,बल्कि जीवन पथ पर हमेशा मार्ग प्रशस्त भी करता है। गुरु शिष्य परंपरा हमारी संस्कृति की विशेष पहचान रही है,इन्हीं भावों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की शिक्षिका अंकिता व्यास के मार्गदर्शन में छात्र राजपाल एवं यश शर्मा एवं उनके साथियों ने संगीतमय गुरु वंदना की प्रस्तुति दी। अनादि काल से गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है, गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति असंभव है। गुरु की बताई राह पर चलकर व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना पाता है, उक्त विचार विद्यालय की शिक्षिका अनीता पंड्या ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किये। सादियां खान ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने माता-पिता गुरुजनों का सदैव आदर एवं सम्मान करना चाहिए ,यह हमारे जीवन की दिशा तय करते हैं। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य के के मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु का पद सदैव सम्माननीय होता है गुरु की आज्ञा का पालन करके हम अपने जीवन को श्रेष्ठ एवं सार्थक बना सकते हैं। संस्था के शिक्षक मिर्जा मुशाहिद बैग ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर संस्था में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज पौधारोपण किया और सभी विद्यार्थियों से भी पौधारोपण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक मिर्जा मुशाहिद बैग ने किया एवं आभार अनुज जायसवाल ने माना। इस अवसर पर राधेश्याम सोलंकी, प्रीति जोशी, अनामिका अग्निहोत्री, अंजना सोनी, मनोहर पटेल, लोकेश सांवलिया, जीतेंद्र चौधरी, निर्मला पवार, प्रमिला राठौर, सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर अमरकंटक में श्रद्धा और भक्ति का संगम, आश्रमों में दिनभर गूंजते रहे जयकारे

– अमरकंटक गुरु-शिष्य पगुरु पूर्णिमा पर अमरकंटक में श्रद्धा और भक्ति का संगम, आश्रमों में दिनभर गूंजते रहे जयकारे

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। गुरु-शिष्य परंपरा की प्राचीन संस्कृति को सजीव करती गुरु पूर्णिमा पर गुरुवार को पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धा का अनूठा दृश्य देखने को मिला। जिले सहित विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालु एवं शिष्यगण सुबह से ही अपने गुरुओं के चरणों में नतमस्तक होने के लिए आश्रमों की ओर बढ़ चले। श्रद्धालुओं की यह आस्था देर शाम तक बनी रही और हर आश्रम में भक्ति, पूजा और आध्यात्मिक ऊर्जा की अद्वितीय छटा बिखरी रही।

सुबह होते ही शांति कुटी, कल्याण आश्रम, मृत्युंजय आश्रम, मार्कंडेय आश्रम, धारकुंडी आश्रम, गीता स्वाध्याय आश्रम और बौरहा बाबा आश्रम सहित अन्य प्रमुख स्थलों में भक्तों की भीड़ जुटने लगी। शिष्य अपने थालों में पुष्प, बेलपत्र, दीपक, अक्षत, चंदन, श्रीफल, साल व दक्षिणा लेकर पहुंचे। पारंपरिक विधि-विधान के अनुसार शिष्यों ने अपने गुरुओं के चरण धोए, तिलक लगाया, आरती उतारी और पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वातावरण गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु जैसे मंत्रों और भजनों से गुंजायमान होता रहा।

गुरु पूजन के उपरांत श्रद्धालु नर्मदा मंदिर पहुंचे और मां नर्मदा के दर्शन कर विशेष पूजन किया। धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अमरकंटक नगरी में गुरु पूर्णिमा पर हर वर्ष विशेष आयोजन होते हैं, परंतु इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। लोग दूर-दराज़ से अमरकंटक पहुंचे और दिनभर आश्रमों में

कतारबद्ध होकर पूजन-अर्चन में लीन रहे।

इस अवसर पर अमरकंटक में मेले जैसा माहौल रहा। आश्रमों के आस-पास श्रद्धालुओं की चहल-पहल, प्रसाद वितरण, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुओं ने भी शिष्यों से मिलकर हर्ष प्रकट किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें धर्म, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। यह अवसर गुरु-शिष्य संबंधों को मजबूत करने वाला, आत्मिक ऊर्जा से भर देने वाला और भारतीय संस्कृति की जड़ों को पुनः याद दिलाने वाला बन गया।

अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व रहा, बल्कि यह आत्म-चिंतन, मार्गदर्शन और समर्पण का अद्भुत अवसर बनकर उभरा। श्रद्धालुओं ने न केवल गुरुजनों का पूजन किया, बल्कि उनके उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया।रंपरा की प्राचीन संस्कृति को सजीव करती गुरु पूर्णिमा पर गुरुवार

को पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धा का अनूठा दृश्य देखने को मिला। जिले सहित विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालु एवं शिष्यगण सुबह से ही अपने गुरुओं के चरणों में नतमस्तक होने के लिए आश्रमों की ओर बढ़ चले। श्रद्धालुओं की यह आस्था देर शाम तक बनी रही और हर आश्रम में भक्ति, पूजा और आध्यात्मिक ऊर्जा की अद्वितीय छटा बिखरी रही।

सुबह होते ही शांति कुटी, कल्याण आश्रम, मृत्युंजय आश्रम, मार्कंडेय आश्रम, धारकुंडी आश्रम,गीता स्वाध्याय आश्रम और बौरहा बाबा आश्रम सहित अन्य प्रमुख स्थलों में भक्तों की भीड़ जुटने लगी। शिष्य अपने थालों में पुष्प, बेलपत्र,दीपक,अक्षत, चंदन,श्रीफल, साल व दक्षिणा लेकर पहुंचे। पारंपरिक विधि-विधान के अनुसार शिष्यों ने अपने गुरुओं के चरण धोए, तिलक लगाया,आरती उतारी और पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वातावरण गुरु ब्रह्मा,गुरु विष्णु जैसे मंत्रों और भजनों से गुंजायमान होता रहा।

गुरु पूजन के उपरांत श्रद्धालु नर्मदा मंदिर पहुंचे और मां नर्मदा के दर्शन कर विशेष पूजन किया। धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अमरकंटक नगरी में गुरु पूर्णिमा पर हर वर्ष विशेष आयोजन होते हैं, परंतु इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। लोग दूर-दराज़ से अमरकंटक पहुंचे और दिनभर आश्रमों में कतारबद्ध होकर पूजन-अर्चन में लीन रहे।

इस अवसर पर अमरकंटक में मेले जैसा माहौल रहा। आश्रमों के आस-पास श्रद्धालुओं की चहल-पहल, प्रसाद वितरण, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जहां सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुओं ने भी शिष्यों से मिलकर हर्ष प्रकट किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें धर्म,सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। यह अवसर गुरु-शिष्य संबंधों को मजबूत करने वाला, आत्मिक ऊर्जा से भर देने वाला और भारतीय संस्कृति की जड़ों को पुनः याद दिलाने वाला बन गया।

अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व रहा,बल्कि यह आत्म-चिंतन, मार्गदर्शन और समर्पण का अद्भुत अवसर बनकर उभरा। श्रद्धालुओं ने न केवल गुरुजनों का पूजन किया, बल्कि उनके उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया।

अमरकंटक के रामघाट में डूबने से भिंड निवासी गायक राज भदौरिया की मौत

– गुरुपूर्णिमा पर हुआ हादसा

अनूपपुर/अमरकंटक। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर अमरकंटक में स्थित पवित्र नर्मदा नदी के रामघाट में गुरुवार को एक अत्यंत दुखद और हृदयविदारक घटना घटी, स्नान के दौरान राज भदौरिया उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम बालनपुर, थाना बालनपुर, जिला भिंड, की नदी में डूबने से मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राज भदौरिया अपने बड़े भाई अर्जुन भदौरिया और जीजा के साथ गुरुपूर्णिमा के मौके पर स्नान हेतु रामघाट पहुंचा था। स्नान करते हुए राज और अर्जुन तैरते-तैरते नदी के बीच में बने फव्वारे तक पहुंच गए। इसी दौरान राज का पैर फव्वारे में लगी रेलिंग में फंस गया, जिससे वह अचानक पानी में डूबने लगा। साथ आए स्वजन और अन्य स्नानार्थियों ने उसे बचाने का प्रयास किया, परंतु वह

काफी देर तक पानी से बाहर नहीं निकल सका। जैसे ही घटना की जानकारी आसपास मौजूद लोगों को हुई, स्थानीय निवासी कृष्णा पाल चौहान ने तत्परता दिखाते हुए राज को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राज को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक लाया गया, जहां मौजूद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा मर्ग क्रमांक 22/25 बीएनएस की धारा 194 के तहत मामला कायम कर लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार राज भदौरिया अमरकंटक स्थित शांति कुटी आश्रम का शिष्य था। वह भजन और संगीत का एक उभरता हुआ गायक था तथा आश्रम में रहकर अध्ययन भी कर रहा था, उसका व्यवहार विनम्र और अध्यात्म के प्रति समर्पित बताया गया है।

इस अप्रत्याशित हादसे से अमरकंटक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर जब हजारों श्रद्धालु आस्था के भाव से घाट पर उपस्थित थे यह घटना सभी को स्तब्ध कर गई।

मवेशियों को सड़क दुर्घटना से बचाने अनूपपुर यातायात की पहल

– शिव मारुति युवा संगठन के सदस्यों के सहयोग से 50 से अधिक गायों को पहनाए गए रेडियम बेल्ट

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। वर्षा ऋतु में जमीन नमी युक्त हो जाने के कारण अक्सर मवेशीयो में रोड पर बैठने की प्रवृत्ति पाई जाती है ,रात्रि के समय अंधेरा होने से रोड पर बैठे मवेशी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते ,जिससे वाहन टकराने से उनके दुर्घटना ग्रस्त होने की संभावना रहती है, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा निर्देशित किया गया है ,कि अनूपपुर जिले में सड़क दुर्घटना में मवेशियों की मृत्यु ना हो इस दिशा में आवश्यक प्रयास करे, रोड पर बैठी गाय को हटाया जाए ,रात्रि के समय मवेशी स्पष्ट रूप से दिखाई दें ,इसके लिए रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट बांधे जाएं, जिसके पालन में यातायात

प्रभारी ज्योति दुबे द्वारा शिव मारुति युवा संगठन के सदस्यों के सहयोग से कल अभियान चलाकर अनूपपुर शहर की सड़कों पर बैठे लगभग 50 मवेशियों को रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट पहनाए गए। इसके पूर्व 70 मवेशियों को रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट पहनाए गए थे ,इस प्रकार 120 से अधिक मवेशी को बेल्ट पहनाए जा चुके हैं।

नई शॉर्ट फिल्म 'व्यर्थ' में एक नई पहचान और पुराने स्टीरियोटाइप्स को चुनौती देती नज़र आएँगी कुशा कपिला

मुंबई। अभिनेत्री कुशा कपिला अब अपने नए प्रोजेक्ट 'व्यर्थ' के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शॉर्ट फिल्म का पहला पोस्टर आ गया है, जो दर्शकों के सामने फिल्म की दुनिया की पहली झलक बहुत ही खूबसूरती से पेश करता है।

कुशा ने इस फिल्म में सिर्फ अभिनय ही नहीं किया है, बल्कि को-प्रोड्यूसर के रूप में भी एक नया कदम उठाया है। यह उनके करियर में एक नया मोड़ है, जो उनके भीतर के स्टोरीटेलर को उजागर करता है और यह दिखाता है कि वे सिर्फ डिजिटल दुनिया की जानी-मानी हस्ती ही नहीं, बल्कि एक गंभीर कलाकार भी हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए कुशा कहती हैं, ''व्यर्थ मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में टाइपकास्टिंग के खिलाफ एक आइना है, जो भूमि के किरदार की यात्रा में साफ झलकता है। एक अभिनेता के तौर पर आप किरदार की आत्मा में उतरते हैं, लेकिन एक निर्माता के रूप में आपको पूरी तस्वीर देखनी होती है। यह बदलाव कि 'मैं यह डायलॉग कैसे बोलूँ?' से लेकर 'यह पूरी फिल्म कैसे असर डाले?' तक पहुँचना, मेरे लिए बहुत ही सुंदर अनुभव रहा, जिसने मुझे सशक्त बनाने का काम किया। अपने कमरे में फनी वीडियो? बनाने से लेकर अब फिल्म एक्टिंग और प्रोडक्शन तक का सफर मेरे लिए स्वाभाविक विकास जैसा है।''

'व्यर्थ' की कहानी एक कम आँकी गई अभिनेत्री भूमि के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लगातार पारंपरिक भूमिकाओं में टाइपकास्ट हो चुकी है। जब उसे एक माँ का रोल ऑफर होता है, तो उसकी उम्मीदें जैसे टूट जाती हैं। कहानी में मोड़ तब आता है, जब उसकी युवा रूममेट मीनाक्षी उसी रोल के लिए भूमि से मदद माँगती है। फिल्म का निर्देशन और निर्माण पंकज दयानी ने किया है, जो 'न्यूटन' के असिस्टेंट डायरेक्टर रह चुके हैं। फिल्म को फहीम इरशाद ने लिखा है। कास्टिंग डायरेक्टर रोमिल मोदी 'लापता लेडीज़' एवं 'ऑल वी इमैजिन ऐज़ लाइट' जैसी फिल्मों से जुड़े रहे हैं। 'मॉनिका ओ माय डार्लिंग' फेम सिनेमैटोग्राफर स्वप्निल एस. सोनावले ने फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से कैमरे में कैद किया है।

गुरु पूर्णिमा पर जिले के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम

अनूपपुर। गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई के अवसर पर जिले के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में मां सरस्वती वंदना, गुरुजनों एवं शिक्षकों का सम्मान तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरु संस्मरण पर संभाषण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम को लाइव प्रसारण के माध्यम से देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इस अवसर पर प्राचार्य, शिक्षक,सेवानिवृत शिक्षक, पूर्व विद्यार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

सूर्या रोशनी ने मालनपुर, मध्य प्रदेश में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में बड़ा विस्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मालनपुर। सूर्या रोशनी, जो लाइटिंग, फैन, होम अप्लायंसेज़, स्टील और पीवीसी पाइप्स जैसे सेगमेंट्स में भारत का एक भरोसेमंद और प्रतिष्ठित ब्रांड है, अब मध्य प्रदेश के मालनपुर में अपने नए और विस्तारित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की शुरुआत कर रही है। ये उद्घाटन 27 जून 2025 को किया गया और कंपनी के ग्रोथ जर्नी में यह एक बड़ा माइलस्टोन साबित हो रहा है।

ये नया प्लांट सूर्या रोशनी की लॉन्ग-टर्म विज़न का हिस्सा है - जिसमें कंपनी अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और ज़्यादा डाइवर्सिफाई कर रही है, ताकि इंडस्ट्रियल और कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। खास बात ये है कि कंपनी अब वायर कैटेगरी में भी कदम रख रही है, जो आज के समय में देश की इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेजिडेंशियल डिवेलपमेंट की ज़रूरतों के मुताबिक है। इस नए यूनिट में अत्याधुनिक तकनीक और ऑटोमेटेड मशीनरी लगाई गई है, ताकि बनाए गए वायर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरें।

मध्य भारत के दिल में बसा मालनपुर प्लांट, देशभर के प्रमुख बाज़ारों को तेजी से सर्व करने के लिहाज से एक स्ट्रैटेजिक लोकेशन पर है। इस विस्तार से न सिर्फ प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ेगी, बल्कि लोकल लेवल पर रोज़गार के अवसर भी पैदा होंगे, जिससे 'मेक इन इंडिया' इनिशिएटिव को भी मजबूती मिलेगी। इस मौके पर सूर्या रोशनी के लाइटिंग बिज़नेस के ऑपरेशनल हेड, वासुमित्र पांडे ने कहा कि - यह विस्तार हमारे इनोवेशन, क्वालिटी और भारत के विकास में योगदान देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वायर सेगमेंट में एंट्री के साथ हम इस भरोसे और गुणवत्ता की विरासत को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मालनपुर का ये नया प्लांट हमारे मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम को और भी मज़बूत करेगा और हमारे सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए वैल्यू क्रिएट करेगा।

संभागीय उपाध्यक्ष राजौरिया सम्मानित

ग्वालियर। अजाक्स के प्रान्ताध्यक्ष एवं अपर मुख्य सचिव (गृह विभाग) द्वारा तरुण राजौरिया संभागीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संभाग ग्वालियर को आयोजित अजाक्स के प्रांतीय सम्मलेन में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शैलेंद्र प्रताप, के.बी. दोहरे, विजय पीपरोलिया, अतर सिंह जाटव आदि मौजूद थे।

जिले भर में पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

अनेक स्थानों पर भण्डारे का आयोजन हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। गुरु-शिष्य परंपरा की प्रतीक गुरुपूर्णिमा पर्व जिलेभर में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। अंचल के करह आश्रम पर हजारों की संख्या में शिष्यगण देशभर के कोने-कोने से पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे। कलेक्टर ने राजस्व व पुलिस को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए असुविधा न हो। श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराएं। श्रद्धालुओं को पेयजल के अलावा पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने स्वयं मंदिर परिसर में पहुंचकर वहां भीड़ को दर्शन कराने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, पुलिस यह सुनिश्चित करें।

जौरा रोड पर 3 किमी तक लगा रहा चक्काजाम

बानमोर में श्रीराम शरणम सत्संग आश्रम पर मनी गुरुपूर्णिमा

सुबह 7.30 बजे से 9 बजे तक अमृतवाणी पाठ-भजन, अखंड रामनाम का जाप किया गया। आयोजक रामगोविंद शिवहरे ने बताया कि अंत में ब्रह्मलीन डॉ. विश्वामित्र महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय बानमोर में भी गुरु पूर्णिमा पर कार्यक्रम हुए।

पोरसा में नागाजी मंदिर सहित सिद्ध आश्रमों पर गूंजे जयकारे

पोरसा कस्बे में लोगों की आस्था के सबसे बड़े केंद्र नागाजी मंदिर पर देशभर से श्रद्धालु गुरु दर्शन के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। वहीं श्रद्धालुओं के लिए भंडारों के आयोजन भी किए गए। इसी प्रकार गिर्राज जी मंदिर, पं. शंभूदयाल शास्त्री के गांधीनगर स्थित निवास, सरस्वती शिशु मंदिर बुधारा में भी गुरुपूर्णिमा मनाई गई। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरी विवि पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र गांधीनगर में गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

आज लगेगा रोजगार मेला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। शासन के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव के मार्गदर्शन में रोजगार मेले का आयोजन 11 जुलाई तक अलग-अलग विकासखण्डों में निर्धारित किया गया है। यह रोजगार मेला प्रातः 10 से सायं 04 बजे तक आयोजित किये जायेंगे।

जिनमें मुरैना-जौरा विकासखंड का रोजगार मेला जनपद पंचायत हॉल मुरैना में 11 जुलाई को सुबह 10 से सायं 04 बजे आयोजित होगा। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड प्रबंधक श्री डीपी धाकड़ के मोबाइल नंबर 8349901833 और अमित राजपूत के मोबाइल नंबर 9109105969 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने देखीं करहधाम मेले की व्यवस्थायें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना जनपद के अंतर्गत करहधाम पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरू पूर्णिमा के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान भीड़ को देखते हुये कलेक्टर अंकित अस्थाना और पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ मौजूद रहे।

कलेक्टर ने अधीनस्थ राजस्व व पुलिस को निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए असुविधा न हो। सभी अधिकारी एक-दूसरे के संपर्क में रहें। श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधायें मुहैया करायें। श्रद्धालुओं को पेयजल के अलावा पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किये गये है।

पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने स्वयं मंदिर परिसर में पहुंचकर वहा बढ़ रही भीड़ को दर्शन

कराने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये और कहा कि श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, पुलिस यह सुनिश्चित करें।

भ्रमण के समय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह डाबर, प्रभारी डीएसपी बानमौर श्रीमती बिंदु परमार, एसडीएम मुरैना बीएस कुशवाह, नायब तहसीलदार श्रीमती मोहिनी साहू, डीएसबी से अभिषेक सिंह राजौरिया उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बोलेरो पलटी 10 लोग घायल

मुरैना/जौरा। तेज रफ्तार से जा रही एक बोलेरो जीप जौरा थाना अंतर्गत एमएस रोड पर पलट गई, जिससे उसमें बैठे लोग घायल हो गए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार को 10 बजे के लगभग एक तेज रफ्तार बोलेरो जिसमें लगभग 10 सवारियां बैठी हुई थीं एमएस रोड पर न्यायालय के बगल में सड़क किनारे पलट गईं, जिससे उसमें बैठे सभी लोग घायल हो गए। घायलों में वीरेंद्र जाटव, प्रवीण जाटव, सपना जाटव, रंजीत जाटव, कार्तिक जाटव, ममता जाटव, विमल जाटव, श्रीपति जाटव घायल हो गए। घायलों को तत्काल जौरा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल मुरैना एवं ग्वालियर के लिए रेफर किया गया। हमारे संवाददाता द्वारा बोलेरो जीप के पलटने के मामले में जौरा थाना फोन लगाकर जानकारी मांगी तो प्रधान आरक्षक रामदीन का कहना था कि हमारे पास एक्सीडेंट की कोई खबर नहीं है। कोई भी रिपोर्ट करने नहीं आया है। घायलों की जानकारी जौरा अस्पताल से मिली है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व शिविर सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महामाया पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक शर्मा व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीता कुशवाह द्वारा 75 गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार तथा परामर्श दिया। जिसमें से 08 हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच निगरानी में जांच उपचार किया। स्वस्थ्य शिविर में बीपी, हीमोग्लोबिन, शुगर, वजन, लंबाई, अल्ट्रासाउंड की जांच, एएनसी चेकअप किया गया। डॉ. शर्मा ने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महामाया का निरीक्षण कर दिशा-निर्देश दिये। शिविर प्रतिमाह की 9 व 25 तारीख को आयोजित किये जाते है। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारियों मौजूद थे।

शासकीय विद्यालय गोठ में मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। गुरूवार को शासकीय संदीपन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोठ में गुरु पूर्णिमा पर्व उल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम माँ शारदे का पूजन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत गाया। विद्यालय की छात्राओं ने रंगोली बनाई। छात्र-छात्राओं ने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया और गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य जेपी तरेटिया द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा पर अपने विचार प्रकट किये। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक हरिओम तिवारी द्वारा कुछ गुरुओं के संस्मरण सुनाए। इसके बाद विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इस आयोजन में गोठ सरपंच तथा अन्य जनप्रतिनिधियों भाग लिया। विद्यालय परिवार के शिक्षकों तथा कार्यालय के स्टाफ ने भाग लिया।

कैलारस के चौकी गांव में क्वारी नदी में मजदूर डूबा, रेस्क्यू जारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/कैलारस। कैलारस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौकी गांव में गुरूवार को एक युवक क्वारी नदी में डूब गया। उसकी तलाश में देर शाम तक रेस्क्यू अभियान जारी था।

मिली जानकारी के मुताबिक मुकेश धाकड़ 48 पुत्र देवीलाल धाकड़ निवासी खिरी भवन निर्माण में छत्त की शटरिंग डालने का काम करता है। बीते 10 दिन से मुकेश धाकड़ चौकी गांव में हवलदार सिंह सिकरवार के निर्माणाधीन मकान में शटरिंग का काम कर रहा था। बुधवार की शाम करीब 4 बजे मुकेश धाकड़, हवलदार सिंह से अपने गांव जाने की बात कहकर निकला था। जिसके बाद मुकेश देर रात तक वापस नहीं आया। जब हवलदार सिंह ने उसकी तलाश की तो उसकी चप्पलें गांव के नजदीक बहने वाली क्वारी नदी के किनारे पड़ी मिलीं। जिससे मुकेश के नदी में डूबने का संदेह गहरा गया। हवलदार की सूचना पर मुकेश का भाई हुकुम सिंह, जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह धाकड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष हेमंत धाकड़ मौके पर पहुंच गए। तब तक सूचना पाकर पुलिस भी वहां पहुंच गई थी। पुलिस ने एसडीआरएफ के जवानों की मदद से मुकेश को ढूंढ़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लेकिन देर शाम तक नदी से उसे बाहर नहीं निकाला जा सका था।

कैट के जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने किया श्री बांकेबिहारी मंदिर के पुजारी कुलदीप शर्मा व एडवोकेट महेश मिश्रा का सम्मान

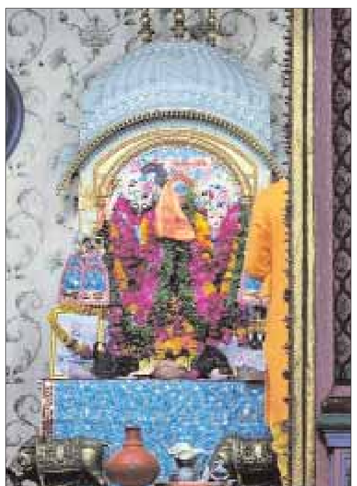

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कैट के जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल (संजू) द्वारा श्री बांकेबिहारी मंदिर के पुजारी कुलदीप शर्मा व महेश मिश्रा एडवोकेट का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अनेक लोग मौजूद थे। एक जानकारी में संजय अग्रवाल ने बताया कि निश्चित रूप से गुरु पूर्णिमा का त्यौहार हमारी सनातन संस्कृति में विशिष्ट स्थान रखता है। इस दिन का सद्गुरू के साथ-साथ शिष्यों को भी बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने बताया कि सद्गुरु के प्रति सम्मान हम हमेशा करते आये हैं। सद्गुरू अपने शिष्य को अध्यात्म के मार्ग पर ले जाने का कार्य करते हैं। शिष्य का दायित्व है कि वह बिना किसी तर्क के अपने गुरु की आज्ञा का पालन करे। गुरु की आज्ञा का पालन करने में ही शिष्य की भलाई निहित है। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत ही पुनीत का पवित्र माना गया है। प्रत्येक शिष्य को सद्गुरू के श्रीचरणों में बैठकर उनकी आराधना करनी चाहिए।

मंशादेवी मंदिर पर 27 अगस्त से होगी श्रीमद् भागवत कथा, कथावाचक कुलदीप शर्मा को भेंट किया नारियाल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। श्री बांके बिहारी भक्त मंडल के द्वारा भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। यह कथा 27 अगस्त 2025 मंशादेवी मंदिर पंचायती धर्मशाला पर होगी। कथा के लिए भक्त मण्डल द्वारा श्री बांकेबिहारी मंदिर के पुजारी कुलदीप शर्मा को आमंत्रण हेतु नारियल भेंट किया गया। जिसमें उन्होंने सहज स्वीकार कर लिया। भक्त मण्डल के संजय अग्रवाल (संजू) का कहना था कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कलयुग में बहुत ही कल्याणकारी है। निश्चित रूप से कथा श्रवण करने का अवसर हमें बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा बहुत कल्याणकारी है। प्रत्येक व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि वह अधिक से अधिक समय कथा श्रवण में बिताए। इसी में हम सभी का कल्याण निहित है।

जिले के समस्त शालाओं में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन हुआः हरीश तिवारी

– गुरु के बिना ज्ञान संभव नहीं : डॉ. एम.एस. तोमर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लोक शिक्षण व राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार और जिला शिक्षा केंद्र व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन जिले के समस्त विद्यालओं में आयोजित किया गया।

गुरू के बिना ज्ञान संभव नहीं है जब तक हमें एक सद्गुरु नहीं मिलता हमारा जीवन अंधकार से व्याप्त रहता है। गुरु ही हमें सच्चा नागरिक और देशभक्त बना सकता है। वर्तमान में गुरू का स्थान शिक्षक ने ले लिया है। जो नई पीढ़ी को मानसिक और सामाजिक रूप से तैयार कर रहे हैं उक्त विचार गुरू पूर्णिमा उत्सव के अध्यक्ष डायट संस्थान के प्राचार्य डॉ. एस.एम. तोमर ने व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता सुदेश सक्सैना ने छात्राध्यापकों को भावी भविष्य के श्रेष्ठ शिक्षक एवं एक अच्छा नागरिक बनने का संकल्प दिलाया। गुरुपूर्णिमा की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों द्वारा प्राचीनकाल में प्रचलित गुरुकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर निबंध लेखन किया गया। वहीं प्राथमिक विद्यालय मुंगावली में आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव के समापन में पहुंचें राज्य शिक्षा केंद्र से निपुण भारत मिशन के बेहतर क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिले में पदस्थ निपुण प्रोफेशनल दुर्गेश सिंह ने सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्ज्वलित कर प्रार्थना में भाग लिया, विद्यालय के समस्त शिक्षकों को सिंह ने सम्मानित करते हुए समस्त उपस्थित छात्रों के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया।

छात्रों से बात करते हुए सिंह ने इस उत्सव के उद्देश्य को सरल भाषा में सभी छात्रों को बताते हुए कहां की ये जो शिक्षक है ये आप जैसे छात्रों के भविष्य को सुनहरा करने के उद्देश्य से दिन प्रतिदिन प्रयासरत और आशान्वित रहते हैं, ये शिक्षक इस भारत के सबसे अहम शिल्पकार हैं जो आप जैसे छोटे नन्हें बच्चों को सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान कर एक बेहतर नागरिक बनाते हैं, सभी छात्रों ने बेहद ही रोजक कला का प्रदर्शन करते हुए अपने अपने कक्षाध्यापक को बेहतरीन कलाकृति भेंट किया। सिंह ने सभी बच्चों और शिक्षकों के साथ विशेष भोज मिड डे मील और प्रसाद गृहण किया।

एएनएम को कार्य से रोकने पर 3 दोषियों को 1-1 वर्ष सश्रम कारावास

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। किल कोरोना अभियान के तहत 13 मार्च 2021 को पहाड़गढ़ क्षेत्र के बलालपुर गांव में दवा वितरण करने पहुंचीं एएनएम केतकी सिसोदिया के साथ अभद्रता करते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचानें वाले तीन लोगों को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जौरा ने 1-1 वर्ष सश्रम कारावास और तीन हजार रूपये जुर्माने की सजा से दण्डित किए जाने का फैसला सुनाया है। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी लखनलाल आर्य ने की।

अभियोजन के अनुसार एएनएम केतकी सिसौदिया 13 मार्च 2021 को पहाड़गढ़ बीएमओ के आदेश पर किल कोरोना अभियान के तहत अपने पति राजेन्द्र सिसौदिया के साथ दवा वितरण करने के लिए बलालपुर गांव पहुंचीं थी। एएनएम केतकी गांव के प्रायमरी स्कूल पर ग्रामीणों को दवा बांट रही थी। तभी गांव की भूरी कुशवाह, आशा कुशवाह और विशंभर कुशवाह वहां पहुंचें। उन्होंने एएनएम श्रीमती सिसौदिया को गालियां देते हुए दवा वितरण करने से मना किया, जब केतकी ने उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करने की कोशिश की। पुलिस ने केतकी सिसौदिया की रिपोर्ट पर भूरी कुशवाह, आशा कुशवाह और विशंभर कुशवाह के विरुद्ध धारा-353 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। न्यायालय ने अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर तीनों आरोपियों को दोषी मानते हुए एक-एक वर्ष सश्रम कारावास और तीन हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई।

जिले में अब तक 356.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 10 जुलाई, 2025 तक 356.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 141.2 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 215.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना ने बताया कि जिले में 01 जून से 10 जुलाई तक सर्वाधिक वर्षा मुरैना में 523 मिलीमीटर दर्ज की गई है। पोरसा में 404, सबलगढ़ में 382, जौरा में 313, कैलारस में 277 और अंबाह तहसील में सबसे कम 242.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 10 जुलाई, गुरूवार को सर्वाधिक 16 मिलीमीटर वर्षा कैलारस में दर्ज की गई है। मुरैना में 15, सबलगढ़ में 6, अम्बाह में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जबकि पोरसा और जौरा में पिछले 24 घंटे में वर्षा निरंक बताई गई है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्प्लैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।